डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 117 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 07 फरवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ

डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

मंदसौर के युवक से गोवा में एक लाख 31 हजार रुपए की धोखाधड़ी

मंदसौर, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गोवा निवासी ट्रेवल बुकिंग एजेंसी ने मंदसौर के जनता कॉलोनी निवासी युवक से 1 लाख 31 हजार रुपए की धोखाधडी कर डाली। पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया है।

सिटी कोतवाली पुलिस के अनुसार कुणाल प्रतापसिंह उम्र 28 साल ने गोविंद सोनी उर्फ बादल पिता संतोष सोनी निवासी उत्तरी गोवा के खिलाफ केस दर्ज करवाया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने एजेंसी के द्वारा 1 लाख 31 हजार रुपए की धोखाधडी की। पुलिस ने मामले में जांच शुरू की है।

शिवना में जलकुंभी का जाल- पवित्र शिवना नदी में इन दिनो फिर से जलकुंभी का जाल फैलने लगा है। यह लगातार बढ़ रही है। लेकिन, शिवना को प्रदूषण मुक्त कराने की योजना बनाने वालो का इस ओर ध्यान नहीं है।

बाबू के घर के आसपास पुलिस की नजर...

भैरुगढ़ जैल में साथ थे बाबू सिंधी और शूटर बाबू

गोलीकांड में बाबू सिंधी पर टिकी पुलिस की सुई, बदमाश लाला पठान एंगल पर भी जांच

मंदसौर, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नीमच के प्रसिद्ध समाजसेवी अशोक अरोरा पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने कई जगहों पर दबिश दी है। फरार हमलावरों की तलाश जारी है। इधर जिस कार में शूटर आए थे। वह कार बाबू सिंधी के मुनीम की निकली। इसके अलावा भैरुगढ जेल में बाबू सिंधी और शूटर बाबू दोनों एक साथ बंद रहे थे। जिसके बाद पुलिस की सुई बाबू सिंधी पर आकर टिक मंदसौर की बात करें तो यहां भी बाबू सिंधी के संत कंवर राम कालोनी स्थित घर के आस-पास भी पुलिस की निगरानी हो रही है। इधर प्रतापगढ जेल में भी शूटर बाबू फकीर बंद रहा था। जिसके बाद प्रतापगढ पुलिस भी अलर्ट हो गई है। एक दिन पहले प्रतापगढ जैल में बड़ा चेकिंग अभियान चलाया।

बाबू के फॉर्म हाउस पर ठहरे थे शूटर और साथी...

अनुराग ऐरन बाबू सिंधी के गोदाम पर मुनीम था, जो सीबीएन की कार्रवाई के बाद से जैल में बंद है। घटना के कुछ दिन पहले बेटे के उपचार के नाम पर पैरोल पर 17 फरवरी तक के लिए बाहर आए बाबू सिंधी ने स्कीम नंबर-36 स्थित मुनीम के घर से घटना में उपयोग की गई कार उठाई थी। इसका सीसीटीवी फुटेज पुलिस के पास है। रात को सिंधी सहित सभी आरोपी भाटखेड़ा फंटा चौराहा पर खेतों के अंदर बने सिंधी के फॉर्म हाउस पर ठहरे थे। घटना से पहले लायन चौराहा पर तीन से चार बार चक्कर भी लगाए।

सामने आया सीसीटीवी फुटेज...

घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज से घटना का खुलासा हुआ। इसमें दिख रहा है कि आरोपी सामने से क्रेटा कार लेकर आए तो एक्सीडेंट से बचने के लिए शराब कारोबारी अरोरा ने लेफ्ट में कार रोक दी। इतने में पीछे की सीट से एक आरोपी ने उतरकर अरोरा पर तीन फायर किए तो वे झुक गए। आरोपी और फायर करते इसके पहले ही अशोक के पीछे स्कॉर्पियो में चल रहे सुरक्षा कर्मचारियों ने आरोपियों पर फायरिंग शुरू कर दी। इसमें ड्राइवर के पास बैठे बाबू फकीर को कंधे में गोली लगने पर वह गेट से नीचे उतरने लगा। तभी एक गोली उसकी पीठ में लगी। फायर होते ही अरोरा कार लेकर निकल गए। मौके पर शराब व्यवसायी के सुरक्षाकर्मी व आरोपियों के बीच फायरिंग हुई। आरोपी कार में बैठकर भाग रहे थे तभी ड्राइवर सीट के सामने कांच पर फायर हुआ। कार चलाने वाला आरोपी कार छोडक़र कन्या कॉलेज की तरफ दशहरा मैदान के पीछे भाग गया। इसके पीछे दो अन्य आरोपी भी भाग गए। सुरक्षाकर्मियों ने स्कॉर्पियो से उतरकर तीन आरोपियों का पीछा किया, लेकिन वे हाथ नहीं लगे।

कई जगहों पर पुलिस ने दी दबिश...

आरोपियों की तलाश में पुलिस की 7 से 8 टीमें शामगढ़, मंदसौर, कोटा, भीलवाड़ा, चित्तौडगढ दबिश देने गई हैं। वहीं 5 से 6 टीमें घटना स्थल के बाद दशहरा मैदान के पीछे से भागने वाले आरोपियों की तलाश में सीसीटीवी फुटेज से रोडमैप बना रही हैं। सोमवार की देर शाम को पुलिस सिंधी की फर्म हितांशी ट्रेडिंग के नाम से रजिस्टर्ड कार से महिला को पूछताछ के लिए एसपी कार्यालय लाई। पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा कर सकती है।

आजम की भूमिका की भी तफ्तीश...

जानकारी के अनुसार मारा गया शूटर बाबू फकीर, बाबू सिंधी व आजम लाला तीनों लंबे समय तक उज्जैन की भेरूगढ जेल में रहे हैं। बाबू सिंधी, लाला पठानों के साथ काम करता था एवं शूटर बाबू फकीर लाला के लिए काम करता था। ऐसे में संभावना है कि भेरूगढ जेल में ही आपसी समझौता हुआ होगा। बाबू सिंधी दिसंबर में पैरोल पर बाहर आया व शूटर भी दो से ढाई माह पूर्व सजा काटकर बाहर आया था।

इनका कहना...

मामले की जांच चल रही है। फायरिंग के मामले में जानकारी एकत्र कर रहे हैं। अभी प्राथमिकता आरोपियों को पकडने की है। बाबू सिंधी से लिंक मिले हैं, लेकिन अभी कुछ स्पष्ट कहा नहीं जा सकता। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

अमित तोलानी
पुलिस कप्तान नीमच

शिकारी सियार का मिला शव

मनासा, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। उपवन मंडल मानसा परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दो गांवो में विगत 2-3 दिन से दहशत का माहौल बना हुआ है। यहां के ग्रामीण एक पागल सियार के आतंक से भयभीत थे। हालांकि, अब उसकी मौत हो चुकी है। पागल सियार ने दोनों गांव के 10 महिला ओर 4 पुरुषों का अपना शिकार बनाया था। सियार की दहशत के बाद वन विभाग के आधिकारिक कर्मचारी भी सक्रिय हुए। उन्होंने रविवार को और सोमवार को भी सर्चिंग अभियान चलाया।

वन विभाग की टीम ने इस दौरान खेतों और जंगल की तलाशी दिन और रात में भी की। वहीं सोमवार सुबह अचलपुरा गांव के शमशान के नजदीक पागल सियार का शव गांव के पास पड़ा मिला। पागल सियार ने सोमवार सुबह भी 3 महिलाओं पर हमला किया था। वही वन विभाग की टीम ने मृत सियार के शव को पोस्टमार्टम करवाया है। सियार के मौत की खबर के बाद अचलपुरा और नलखेड़ा गांव के ग्रामीणों ने भी राहत की सांस ली है।

दो स्टार लगे, फिर भी चाकरी का दंश

[प्रमोशन मिलने के बाद भी ओहदा नहीं मिला]

मंदसौर, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पुलिस की खाकी वर्दी और दो स्टार तक का प्रमोशन, इसके बाद भी काम चाकरी का ही। यह कहानी है जिले के पचास के करीब पुलिसकर्मियों की। प्रदेश में यह संख्या पांच हजार से ऊपर पहुंच जाती है। आरक्षक ट्रेड कैडर से भर्ती हुए ये पुलिसकर्मी तकरीबन 5 साल की सेवा पूरी कर जिला पुलिस के सहयोगी बनने के पात्र हो गए हैं। दस साल से इनके जीडी में संविलियन पर रोक लगी है। जबकि, पडोसी राज्यों में संविलियन कर बल की कमी पूरी की जा रही है।नतीजा ये है कि ट्रेड में भर्ती हुए इन पुलिसकर्मियों को प्रमोशन तो मिल रहा है। लेकिन, उन्हें काम कुक, नाई, धोबी, मोची, स्वीपर के ही करने पड़ रहे हैं। इनमें कई ऐसे भी हैं, जो पदोन्नति पाकर सब इंस्पेक्टर स्तर तक पहुंच गए, लेकिन अफसरों के घर पर काम कर रहे हैं।

75 हजार महीने में अफसरों-नेताओं के बंगले पर...

आरक्षक ट्रेड से भर्ती हुए नए सिपाही की तनख्वाह करीब 25000 रुपए होती है। इसी कैडर में पदोन्नत होकर एसआई बने पुलिसकर्मी को करीब 75 हजार रुपए वेतन मिल रहा है। सिपाही और एसआई के बीच कई पुलिसकर्मी हवलदार और एएसआई भी बने हैं, जिनकी तनख्वाह अलग-अलग है। इसके बाद भी ये केवल अफसरों-नेताओं के बंगलों पर काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने दिए थे निर्देश, फिर भी नहीं बढ़ी फाइल...

पदभार संभालने के बाद पुलिस मुख्यालय पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिसकर्मियों के प्रमोशन को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए थे। इस दौरान ये भी कहा था कि ऐसी योजनाओं का भी क्रियान्वयन किया जाए, जिनसे सरकार पर वित्तीय भार नहीं बढे।

नियम बनते-बिगड़ते चले गए, 10 साल से रोक...

✻ 23 अक्टूबर 1993 में तत्कालीन डीजीपी आरपी शर्मा ने एक आदेश निकालकर ट्रेडमैन के संविलियन के लिए 5 साल का सेवाकाल जरूरी बताया।

✻ 19 जून 2013 को जारी हुए पत्र केआधार पर तत्कालीन डीजीपी नंदन दुबे ने संविलियन पर रोक लगा दी।

✻ 28 अप्रैल 2016 को एडीजी विसबल केएन तिवारी ने दोबारा संविलियन शुरू करने के लिए शासन से अनुशंसा की।

✻ 4 दिसंबर 2018 को अवर सचिव गृह ने एडीजी विसबल से सवाल किया कि क्या संविलियन से वित्तीय भार बढ़ेगा?

✻ 4 जनवरी 2019 को इसका जवाब डीआईजी विसबल ने जवाब दिया कि वित्तीय भार नहीं पड़ेगा।

✻ 24 मार्च 2022 को तत्कालीन गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने नोटशीट पर लिखा कि पूर्वानुसार संविलियन आदेश जारी करना चाहिए।

डीजे बजाने से रोका तो बेटे ने कर दी पिता की हत्या

मनासा, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। थाना क्षेत्र के कंजारडा में मामूली विवाद में बेटे ने पिता की हत्या कर दी।

पुलिस ने बताया बीती रात्रि में गणेश पिता भूरालाल भील उम्र 22 साल ने अपने पिता भूरालाल पिता भेरूलाल भील उम्र 40 वर्ष के सिर पर पत्थर मारकर हत्या कर दी। घटना की सूचना पर से पुलिस ने आईपीसी की धारा 302 में प्रकरण दर्ज कर आरोपी बेटे को को गिरफ्तार किया है।

कंजाड़ा चौकी प्रभारी परमानंद गिरवाल ने बताया मृतक गणेश भील के घर वालों ने मन्नत रखी थी। संतान पैदा होने पर मन्नत अनुसार रात्रि में खाना रखा था। उस दौरान पार्टी में शराब पीने के बाद म्यूजिक पर डांस चल रहा था। तभी गणेश को पिता ने कहाँ अब बंद कर दे नाच गाना, इस पर नहीं माना तो गणेश के हाथ में जो शराब का डिस्पोजल था उसे छीनकर फेक दिया। इससे गुस्साए आरोपी बेटा पीछे भागा, तभी भूरालाल गिर गया। आरोपी ने पिता के सिर पर पत्थर मार दिया, जिससे मौत हो गई।

ट्रक ड्राईवर ने बेच दी पिपलिया से बंगाल के लिए निकली 117 क्विंटल लहसून

पुलिस ने ढूंढ निकाला आरोपी चालक को, 3 क्विंटल लहसून बरामद

पिपलिया मंडी, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पिपलिया के मंडी व्यापारी द्वारा धुपगुडी वेस्ट बंगाल के लिए 117 क्विंटल लहसुन कीमती 31 . 59 लाख रुपए की भरकर रवाना की थी। लेकिन, चार दिन बाद भी लहसून अपने गंतव्य को नहीं पहुंची तो व्यापारी ने पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने सायबर सेल की मदद से तीन दिनों में ही पूरे मामलें को सुलझा कर आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 3 क्विंटल लहसून बरामद की, पुलिस ने ट्रक को भी जप्त किया है।

यह जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि 31 जनवरी को शाम करीब 6.30 बजे फरियादी लोकेश पिता शंकरलाल हरजानी द्वारा अपनी फर्म से पार्वती ओनीयन कम्पनी धुपगुडी वेस्ट बंगाल के लिये 458 कट्टे कुल 117 क्विंटल किमती 31,53,735 रु को आईशर ट्रक क्रमांक आरजे 17 जीबी 0311 मे लोड कर रवाना किया गया था। ट्रक को चालक ललित कुमार पिता पुरीलाल मेहर निवासी नीव कालोनी मोतीपुरा थाना झालरा पाटन जिला झालावाड राजस्थान तथा क्लीनर कुलदीप पिता रामजीलाल लोहार निवासी भीलवाडा लेकर गऐ थे। लेकिन, दोनो लहसन को लेकर अपने गंतव्य पर पहुंचे हीं नहीं। जिसके बाद 4 फरवरी को व्यापारी ने पुलिस को अवगत कराया, पुलिस ने सायबर सेल की मदद से कृषि मण्डी मंदसौर से आरोपी ललित पिता पुरी लाल मैहर को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 12 कट्टे लहसुन के कुल 03 क्विंटल एवम आयशर ट्रक को जप्त किया गया। आरोपियों ने जाय 458

कट्टेमे से 195 लहसुन के कट्टे कुल 52 क्विंटल लहसुन को बेच दिया। इस बारे में पकडे गऐ आरोपी से गहन पूछताछ पुलिस द्वारा की जा रहीं है।

दो हजार का इनामी फरार बदमाश गिरफ्तार

गरोठ, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राज्य की सीमा क्षेत्र से राजस्थान तरफ तस्करी के लिए मादक पदार्थ भेजने का आरोपी दो हजार रुपए का इनामी बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ गया। फरार वारंटियों को पकड़ने के लिए पुलिस द्वारा चलाऐ जा रहे अभियान के दौरान पुलिस को इसे पकड़ने में सफलता मिली। गरोठ पुलिस ने बताया कि आरोपी लक्ष्मण सिंह पिता पर्वत सिंह सौंधिया राजपुत निवासी खाखरी थाना गरोठ को घेराबंदी कर पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी वर्ष 2022 से थाना गरोठ के अपराध धारा 8/15, 29 एनडीपीएस एक्ट में फरार हो गया था। तभी से आरोपी अवैध डोडाचुरा मध्यप्रदेश की सीमाओ के क्षेत्रो से गाडियो मे भरवाकर राजस्थान तरफ तस्करी करता था। पुलिस अब इससे पूछताछ कर मध्यप्रदेश के अन्य तस्करों के बारे में जानकारी जूटाने का प्रयास कर रहीं है।

तस्कर बंशी गुर्जर पर जानलेवा हमला

जमीन विवाद को लेकर किए धारदार हथियारों से वार, अस्पताल में भर्ती

मनासा, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र के गांव बडकुआ में मंगलवार सुबह

पूर्व कुख्यात तस्कर बंशी गुर्जर पर जानलेवा हमला हुआ। जिसमें बंशी गुर्जर गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हमले में गुर्जर के सिर और शरीर के कई हिस्सों पर धारदार हथियार से वार किया गया। उसके सिर में गंभीर चोट आई है। नीमच के एक निजी हॉस्पिटल में बंसी गुर्जर का इलाज जारी है। सूचना पर कैंट थाना पुलिस और जिला चिकित्सालय की चौकी पुलिस निजी अस्पताल पहुंची और मामले की जांच शुरू की है।

बताया जा रहा है कि बंसी गुर्जर को जमीन विवाद का निपटारा करने के लिए बडकुआ निवासी इदरीश पठान ने सुबह फोन लगाकर बडकुआ अपने घर बुलाया था। यहां पहले से ही घात लगाकर बैठे परिजनों ने गुर्जर के घर में घुसते ही उस पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। गुर्जर जैसे-तैसे जान बचाकर घर के बाहर भागा और यहां गांव के एक परिचित युवक ने उसे बाइक पर बैठाकर मनासा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां से गंभीर हालत को देखते हुए उसे नीमच रेफर किया गया। फिलहाल गुर्जर का नीमच के एक निजी श्री राम अस्पताल में इलाज जारी है।

क्या है जमीन विवाद...

बंसी गुर्जर ने इदरीश के ही परिवार के आरिफ और खलील पठान से जमीन खरीदी थी। इसे लेकर इदरीश के परिवार ने कलेक्टर और एसपी ऑफिस में शिकायत कर बंशी गुर्जर पर जमीन हड़पने, धमकी देने के आरोप लगाये थे। जबकि, बंसी गुर्जर का कहना है कि उक्त जमीन उन्होंने लीगल तरीके से खलील और आरिफ पठान से खरीदी है। जो जमीन खरीदी है वह आरिफ और खलील के हिस्से की है।

सीबीआई जांच जारी...

बंसी गुर्जर पर मादक पदार्थ तस्करी के कई मुकदमे दर्ज है। एक समय बंसी क्षेत्र का कुख्यात मादक पदार्थ का तस्कर रहा है। इसमें स्वयं के फर्जी एनकाउंटर मामले की जांच सीबीआई कर रही है। जिसमें पुलिस ने बंसी गुर्जर को रामपुरा क्षेत्र के बैसला घाट में एनकाउंटर में मारे जाने का दावा किया था। बाद में बंसी गुर्जर को पुलिस ने जिंदा पकड़ा था।

अयोध्या में प्रभु के चरणों में लीन हो गए कारसेवक बालूदास

संकल्प था, राम लला के दर्शनों के बगैर मैं कहीं नहीं जाऊंगा

मंदसौर, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले के गरोठ क्षेत्र के एक कारसेवक की बड़ी इच्छा थी की वह अयोध्या में प्रभु रामलला की जन्मस्थली पर बन रहे भव्य राम मंदिर में दर्शन कर ही रहूंगा। उनका मानना था की रामलला के दर्शनों के बाद भले ही मैं गौलोक धाम चला जाऊपर जब तक दर्शन नहीं होंगे, मेरा कोई कुछ बिगाड़ नहीं पायेगा।

मंगलवार 6 फरवरी को दोपहर पश्चात वे अयोध्या में रामलला के दर्शनों के पश्चात श्री राम जी के चरणों में समर्पित हो गए। गरोठ क्षेत्र के ग्राम देवरिया खंड गरोठ के श्री बालू दास पिता रूगनाथ जी बैरागी कार सेवक रहे हैं। वे 1990 और 1992 में श्री राम लला की जन्मभूमि की मुक्ति के निमित्त आंदोलन में सक्रिय रहे है। विगत 4 फरवरी को वे शामगढ से नागदा और वहां से आस्था स्पेशल ट्रेन में सवार होकर अयोध्या के लिए रवाना हुए थे। सोमवार 5 फरवरी को वे अन्य कारसेवकों के साथ अयोध्या में कारसेवकों के लिए बनाए गए तीर्थ क्षेत्र आवास में रुके थे। उन्होंने उसी दिन रामलला के दर्शन भी कर लिए थे। पर, उनके मन में था की सरयू में स्नान कर प्रभु के दर्शन करूंगा। बस उनकी यही जिद रही की दूसरे दिन 6 फरवरी 2024 को सुबह पवित्र सरयू में स्नान कर रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन कर वे तीर्थ क्षेत्र आवास पहुंचे और वहां भोजन प्रसादी ग्रहण की। वे वापस अयोध्या भ्रमण करने के लिए निकल रहे थे की अचानक हार्ट अटैक होने से देवलोक चले गए।

जानकारी मिलने पर अयोध्या दर्शनों के लिए पहुंचे भाजपा के मंदसौर पूर्व जिलाध्यक्ष मानसिंह माछोपुरिया, पूर्व विधायक राधेश्याम पाटीदार, मंदसौर नपा पूर्व उपाध्यक्ष सुनील जय महाबली, मंदसौर नपा में निर्दलीय पार्षद और हिंदू नेता सुनील बंसल, बीजेपी नेता पारस मावर, भारत शिंदे, नितिन शिंदे, हिंदू नेता हेमंत बुलचंदानी, भगवानसिंह चौहान, महेंद्र सिंह आंजना, रविन्द्र पांडे, आरएसएस के दशरथ सिंह झाला, बीजेपी नेता कैलाश गुप्ता सुवासरा तत्काल अयोध्या अस्पताल पहुंचे और मृतक की पूरी चिंता कर शव उनके पैतृक गांव देवरिया पहुंचने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था की। जहां से शाम 6.30 बजे देवरिया के लिए रवाना किया गया। मृतक के शव के साथ सीताराम मीणा और गोपाल सेन गरोठ के समीप गांव देवरिया के लिए रवाना हुए।

नही काम आई यूपी - एमपी सरकार...

पूरे मामले में एक बात ध्यान में आई की कारसेवकों के बलिदान को ध्यान में रखते हुए उन्हें प्रभु के दर्शनों के आमंत्रित किया गया था। लेकिन, जब एक कार्यकर्ता की मृत्यु हो गई तो ऐसी विकट स्थिति में ना तो यूपी सरकार काम आई और ना ही एमपी सरकार! स्थित यह हुई कि बीजेपी पूर्व जिलाध्यक्ष श्री मच्छोपुरिया और पूर्व विधायक राधेश्याम पाटीदार ने व्यक्तिगत प्रयास कर और स्वयं क्षशल खर्च कर अपने कार्यकर्ता की अंतिम यात्रा की व्यवस्था की। गुरु एक्सप्रेस द्वारा श्रद्धांजलि...।

बकरी खेत में छोड़ने से मना किया तो पीटा, मां-बेटे सहित 3 पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। खेत में बकरी छोड़ने के लिए मना करने पर मारपीट के मामले में पुलिस ने मां-बेटे सहित तीन आरोपियों पर केस दर्ज किया।

नापाखेड़ा निवासी काजल बागरी ने नारायणगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरे खेत में मेरे बड़े पापा बापूलाल बागरी के लड़के मंगल ने बकरी छोड़ दी। मैंने मना किया तो मंगल के साथ ही बड़ी मम्मी संतोषबाई व मंगल की पत्नी पायल ने मिलकर मेरे साथ गाली-गलौज की व मारपीट की। दरांते से मेरे कलाई पर वार किया, जिससे खून बहने लगा। पुलिस ने तीनों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

विचार-मंथन

उत्तराखंड में यूनिफॉर्म सिविल कोड...

उत्तराखंड देश का पहला राज्य बनने जा रहा है, जहां समान नागरिक संहिता लागू होगी। इसका मसविदा तैयार करने के लिए गठित समिति ने मुख्यमंत्री को अपनी रपट सौंप दी है। प्रस्तावित कानून में आदिवासी समूहों को छोड़ कर सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, संपत्ति के अधिकार, उत्तराधिकार आदि के समान नियम होंगे। इस मसविदे में समानता द्वारा समरसता लाने का दावा किया गया है। समान नागरिक संहिता लागू करने का मुद्दा आजादी के बाद से ही उठता रहा है, मगर तमाम विचार-विमर्शों के बाद भी इसका कोई अंतिम स्वरूप तय नहीं हो सका। इसलिए सर्वोच्च अदालत ने भी इसे एक तरह से निष्क्रिय विषय मान लिया था। मगर चूंकि भाजपा के घोषणापत्र में सदा से राममंदिर, अनुच्छेद तीन सौ सत्तर और समान नागरिक संहिता लागू करने का वचन रेखांकित किया जाता रहा है, वह इसे लेकर मंथन करती रही है। उत्तराखंड में भी विधानसभा चुनावों में इसे लागू करने का वादा किया गया था। सरकार बनने के बाद मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में पांच सदस्यों की मसविदा समिति गठित कर दी गई थी। समिति ने विभिन्न वर्गों से बातचीत और जनमत सर्वेक्षण के आधार पर बहुविवाह, तलाक, उत्तराधिकार आदि से जुड़े मामलों पर अपनी राय कायम की है। हालांकि तीन तलाक को कानूनी रूप से अपराध की श्रेणी में केंद्र सरकार पहले ही डाल चुकी है, इसलिए इसे लेकर बहुत विवाद नहीं है। मुसलिम पर्सनल कानून के तहत बहुविवाह और उत्तराधिकार को लेकर मुसलिम समाज में भी बहुत जिद नहीं नजर नहीं आती। मुसलिम समाज का एक बड़ा धड़ा तो उत्तराधिकार संबंधी उन्हीं नियमों का पालन करता है, जिन्हें हिंदू मानते आए हैं। फिर, मुसलिम समाज अब पढ़-लिख कर विवाह और तलाक संबंधी पुरानी मान्यताओं से काफी बाहर निकल चुका है। वह खुद बहुविवाह के पक्ष में कम देखा जाने लगा है। इसलिए उत्तराखंड सरकार को इन मामलों में शायद ही कोई चुनौती मिले। उसने जनसंख्या नियंत्रण को लेकर किसी प्रकार का कानून बनाने से परहेज किया और उसका निर्णय केंद्र के पाले में डाल दिया है।मगर समान नागरिक संहिता लागू करना इतना आसान मामला शायद ही हो पाए, क्योंकि उत्तराधिकार और संपत्ति के बंटवारे को लेकर हिंदू समाज के भीतर ही अलग-अलग समुदायों में अलग-अलग नियम और परंपराएं हैं। हालांकि पिता की संपत्ति में पुत्री के समान अधिकार का कानून बहुत पहले बन गया था, उससे उत्तराधिकार का मसला भी काफी हद तक सुलझ गया था, मगर अनेक समुदायों में इसका निर्धारण उनमें प्रचलित रीति-रिवाजों के अनुसार होता है। खासकर दत्तक अधिनियम को लेकर हिंदू और मुसलिम समुदाय में अंतर है। इसी तरह अनेक समुदायों में इसे लेकर भेद है। पूर्वोत्तर के इसाई बहुल राज्यों में व्यक्तिगत कानून भिन्न हैं। अलग-अलग राज्यों में वहां की आबादी के हिसाब से व्यक्तिगत कानून लागू हैं। हालांकि माना जा रहा है कि अगर उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता सफलतापूर्वक लागू हो गई, तो वह दूसरे राज्यों के लिए नजीर बन सकती है। मगर चूंकि यह समवर्ती सूची का मामला है, केंद्र सरकार के सामने व्यक्तिगत कानूनों में समानता लाकर समाज में समरसता लाने की चुनौतियां बनी रहेंगी।

राम रथ से भारत रत्न तक आडवाणी जी की राजनीतिक यात्रा

सिद्धार्थ शंकर गौतम

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और नानाजी देशमुख के बाद लालकृष्ण आडवाणी आरएसएस से जुड़े तीसरे ऐसे नेता हैं जिन्हें नरेंद्र मोदी सरकार ने भारत रत्न से सम्मानित करने का निर्णय लिया है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस आशय की घोषणा सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों द्वारा की। +भारत के विकास में हमारे दौर के सबसे सम्मानित नेताओं में से एक रहे आडवाणी जी का योगदान अविस्मरणीय है। उनका सफर जमीनी स्तर पर काम करने से शुरू होकर उप प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने तक का रहा है। उन्हें भारत रत्न देने का फैसला मेरे लिए बेहद भावुक घड़ी है। मुझे उनके साथ काम करने और उनसे सीखने के कई बार मौके मिले।+ प्रधानमंत्री मोदी का आडवाणी को भारत रत्न की घोषणा करते हुए उक्त संदेश गहरे निहितार्थ लिए हुए है। 2004 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए प्रथम की सरकार बनने के बाद से आडवाणी राजनीतिक रूप से भाजपा में ही हाशिए पर जाने लगे थे। पाकिस्तान जाकर मोहम्मद अली जिन्ना को सेकुलर बताकर मानो उन्होंने अपनी हिंदुवादी छवि के साथ ही समझौता कर लिया था किंतु उनका यह रूप न तो भाजपा को रास आया और न ही संघ परिवार को। 2013 में गोवा में पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में जब आडवाणी के स्थान पर गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया तो आडवाणी सदा के लिए +पीएम इन वेटिंग+ बनकर रह गए। यहां तक कि उन्हें सक्रिय राजनीति से हटाकर मार्गदर्शक मंडल में भेज दिया गया। यह भाजपा को फर्श से अर्श तक पहुंचाने वाले नेता की राजनीतिक यात्रा का पूर्ण विराम था।2014 के बाद नरेंद्र मोदी युग में विपक्ष ने कई बार आरोप लगाए कि नरेंद्र मोदी ने आडवाणी के राजनीतिक जीवन की बलि ले ली। जनता का एक बड़ा वर्ग भी यही सोच रखने लगा था किंतु आडवाणी ने अपनी राजनीतिक यात्रा के विराम को लेकर कभी सार्वजनिक रूप से नरेंद्र मोदी को लेकर प्रतिकूल बयानबाजी नहीं की। 2015 में उन्हें पद्म विभूषण भी मोदी सरकार ने दिया। हर वर्ष आडवाणी के जन्मदिन पर नरेंद्र मोदी उनके निवास पर जाकर उनसे आशीर्वाद लेते रहे। अब आडवाणी को भारत रत्न देने की घोषणा स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ने की है। आडवाणी को भारत रत्न सम्मान नरेंद्र मोदी की अपने राजनीतिक गुरु को गुरुदक्षिणा है। आडवाणी और मोदी दोनों ने इस घोषणा को भावुक पल बताया है। अयोध्या में राम मंदिर का मुद्दा 500 वर्षों से भी अधिक पुराना था। पहले मुगल और बाद के अंग्रेजों के शासनकाल में भी यह मुद्दा सर्वहिंदू समाज का मुद्दा नहीं बन सका था। स्वतंत्रता के पश्चात कांग्रेस की सरकारों ने भी राम मंदिर मुद्दे में एक प्रकार से हाथ न जलाने का अघोषित निर्णय ले रखा था। लेकिन 1990 में आडवाणी की सोमनाथ से अयोध्या तक की रथ यात्रा ने राम मंदिर मुद्दे को हिंदू समाज के अधिकांश घरों तक पहुंचा दिया था। इससे

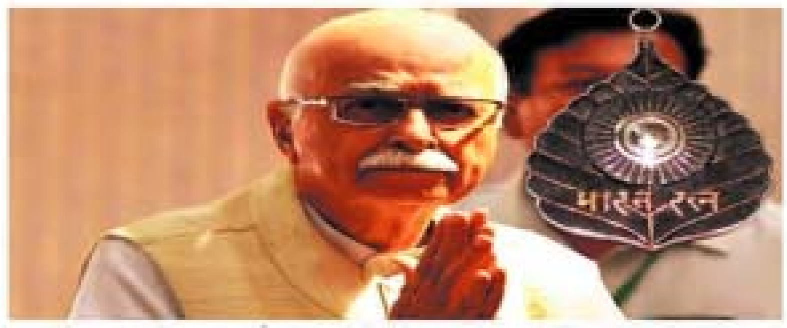

राजनीतिक रूप से भाजपा और आडवाणी को क्या लाभ हुआ, इसका आंकलन भिन्न हो सकता है किंतु राम भारत की आस्था हैं, इस भाव का देशव्यापी जागरण आडवाणी की रथयात्रा को जाता है। समस्त धर्मगुरुओं ने जो कार्य दशकों में नहीं किया था वह आडवाणी की राम रथयात्रा ने कर दिया था। आडवाणी की उपस्थिति ने राम मंदिर मुद्दे को सामाजिक वैधता प्रदान की जिसकी मजबूत नींव पर पत्थर रखकर आज हिंदूवादी राजनीति अपने चरम पर है। ये वही आडवाणी थे जिन्होंने जननेता की छवि न होने के बाद भी भाजपा को हिंदुओं की पार्टी का तमगा दिलवाया। 23 अक्तूबर, 1990 को बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री वीपी सिंह के कहने पर समस्तीपुर में आडवाणी की रथयात्रा को रोककर उन्हें गिरफ्तार करवाया तो संभवतः राजनीति के दोनों चतुर खिलाड़ियों को अंदेशा नहीं होगा कि उनका यह कदम उनकी राजनीतिक जमीन को बंजर कर देगा। और हुआ भी यही। वीपी सिंह प्रधानमंत्री न रह पाए और लालू प्रसाद यादव की छवि मुस्लिम परस्त बनकर रह गई जिसका परिणाम आज तक लालू परिवार भुगत रहा है। आज यदि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है तो इसमें आडवाणी द्वारा फैलाई गई जनचेतना की महत्वपूर्ण भूमिका है। हालांकि बाबरी ढांचा विध्वंस की घटना को आडवाणी ताउम्र अपने जीवन का सबसे दुखद दिन बताते रहे। लाल कृष्ण आडवाणी भारतीय राजनीति के उन विरले नेताओं में से हैं जिन्होंने भाजपा के ध्येय वाक्य - चाल, चेहरा और चरित्र को अपने राजनीतिक जीवन में ढाला। 1991-93 में नेता प्रतिपक्ष रहते हुए जैन हवाला कांड में नाम आया तो 1996 में उन्होंने संसदीय राजनीति से इस्तीफा देते हुए घोषणा की कि जब तक इस कांड से बेदाग बरी नहीं हो जाता, संसदीय राजनीति से दूर रहूंगा। इस मामले में आडवाणी ने अपने सबसे विश्वस्त साथी अटल बिहारी वाजपेयी की सलाह को भी नहीं माना। 1997 में जब सर्वोच्च न्यायालय से बरी हुए तभी पुनः संसदीय राजनीति का अंग बने। आडवाणी के पास 1996 में प्रधानमंत्री बनने का अवसर था किंतु 1995 में मुंबई के शिवाजी पार्क की ऐतिहासिक रैली में उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी को भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री पद का दावेदार घोषित कर दिया। ऐसा उन्होंने इसलिए किया क्योंकि उन्हें लगता था कि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में पार्टी का जनाधार बढ़ सकता है। आडवाणी की उक्त घोषणा ऐसे समय में हुई थी जबकि उनके कद का कोई राजनेता भाजपा में नहीं था। स्वयं अटल बिहारी वाजपेयी को अनुमान नहीं था कि आडवाणी ऐसा कुछ कर सकते हैं। अपनी आत्मकथा +माई कंट्री माई पीपुल+ में उक्त घटना का उल्लेख करते हुए आडवाणी ने लिखा है कि क्या सही है और देश तथा पार्टी के लिए क्या बेहतर है, के तर्कसंगत आकलन के बाद मैं इस नतीजे पर पहुंचा था। वे अपने निर्णय को त्याग का नाम देने के पक्षधर भी नहीं रहे। 8 नवंबर, 1927 को अविभाजित भारत में सिन्ध के कराची में जन्मे लाल कृष्ण आडवाणी बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। बचपन में उनका नाम लाल आडवाणी ही रखा गया था। बाद में उनके नाम में कृष्ण जुड़ गया और वे लाल कृष्ण आडवाणी हो गये। राजनीति से इतर उनकी संगीत और लेखन में रुचि है। बहुत कम लोगों को ज्ञात होगा कि किसी जमाने में लाल कृष्ण आडवाणी अंग्रेजी पत्रिका ऑर्गनाइजर के लिए फिल्म समीक्षाएं लिखा करते थे। उन्हें सत्यजीत रॉय की फिल्में बड़ी पसंद हैं। लता मंगेशकर के गाने सुनना भी उन्हें बड़ा पसंद है।

रिश्तों और मासूमियत के भी नीलामघर...

सुरेश सेठ

आज कदम-कदम पर नीलामघर खुल गए लगते हैं, जो भौतिक मूल्यों की आरती उतारते नजर आते हैं। हर काम राजनीति से लेकर रचनात्मकता तक बिकने लगे। लगता है जैसे जिंदगी ठेके पर चली गई है। लेखन से कलाकृतियों तक का सृजन 'आर्डर' पर होता है। जिंदगी से प्यार खत्म करवाने का ठेका पहले कुछ लोगों ने ले रखा था, इन्हें जमींदार या मालिक लोग कहा जाता था और शोषित होते बेचारे अभागे मासूम। अब भूमिका बदल गई। शोषित कौन है और शोषक कौन, इसकी पहचान नहीं होती। शोषण कुछ इस तरह हर जिंदगी की सीढ़ी चढ़ने की इच्छा रखने वाले आदमी के जेहन में घुस गया कि अच्छे और बुरे की तमीज जाती रही और एक स्थान पर शोषक दूसरे स्थान पर अपने शोषित हो जाने का रोना रोने लगा। पहले प्रेम त्रिकोण की असफलता पर न जाने कितनी दर्दनाक फिल्में लिखी जाती थीं, न जाने कितनी प्रेम कहानियां बनती-बिगड़ती थीं, जिनके प्रेम त्रिकोण में तीसरा कोना खलनायक का होता था। अब खलनायक की पहचान करनी कठिन हो गई। जीवन यांत्रिक हो गया और इस जीवन के कोने-कोने में ठेके पर काम करते नए खलनायक प्रेमी से लेकर रस्मो-रिवाज और परंपराओं की दुहाई देकर शादी तुड़वाने वाले बड़े-बुजुर्गों और समाज के मीर-मुंशियों का काम कर जाते। रिश्ता टूट जाता। यों खलनायकों का ठेका व्यवसाय इतना सफल हो गया कि पहले लोगों ने इनकी उसकी भयावहता से डर कर अपने बच्चों के नाम इन खलनायकों के नाम पर रखने बंद कर दिए थे। बीती पीढ़ियों में तो बच्चों के नाम किसी खलनायक से नहीं मिलते थे। अब नायक क्या और खलनायक क्या? साफ-सुथरे नामों और व्यक्तित्व वाले ही इस दुनिया में खलनायक बने नजर आते हैं। जमाना बदल रहा है। हमारे समाज के आधुनिक और व्यवसायी होते जाने के साथ-साथ यह शोषण का ठेका व्यवसाय भी सफेदपोश और साफ-सुथरा हो गया है। देश के किसान कानूनों से कायाकल्प के नाम पर इस देश के मूल नागरिकों, धरती पुत्रों या किसानों की जिंदगी संवारने के लिए किसानों की खेती धनिक घरानों को ठेके पर देने, उनकी फसलों के खरीद के ठेके लेने का अधिकार ऊंची अटारी वालों को दे दिया गया था। यों इस देश के किसानों की शोषित बहुसंख्या इसी प्रकार सूदखोर महाजनों और धनी जमींदारों के पास ठेके पर अर्ध बंटाई या खेत में खड़ी फसलों के

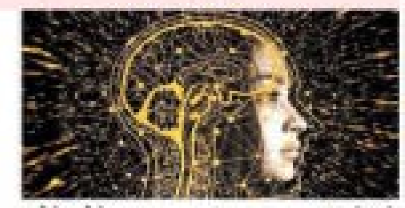

औने-पौने दाम पर बिक कर सदियों से किसानों का दुख हरती रही है। लेकिन यह दुख हरा गया या एक शोषित प्रक्रिया के रूप में तब्दील हो गया, यह तो केवल भुक्तभोगी ही जानते हैं। हां, पिछले साल इतना अवश्य हुआ कि इन गरीब अभागे किसानों की जमीन धनिकों को ठेके पर देने की वैधानिक मान्यता मिल गई। फसलों को संपन्न घरानों में गोदामों के लौह द्वारों के पीछे कैद करने की कानूनी इजाजत मिल गई। किसानों ने अपनी जिंदगी यों एक साफ-सुथरे ठेके पर उठ जाने का रास्ता खुलते देखा, तो राजधानी की सरहद पर रास्ता बंद कर धरना लगा बैठ गए। उनका साल भर धरना लगा तो ठेके का आह्वान करने वालों की आंखें खुलीं। फिलहाल ठेका और ठेकेदार किसानों की जिंदगी से विदा हुए। अब वे किसी चोर दरवाजे से अपना रूप बदलकर फिर प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं। शिक्षालयों की ओर जाते हैं, तो वहां 'शिक्षा परमो धर्म' का सूत्रवाक्य अपना चेहरा बिगाड़, ठेके पर उठ गया लगता है। महामारी का फालिज न केवल पुस्तक और अध्यापन अध्ययन संस्कृति पर गिरा, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था ही जैसे सेवानिवृत्ति झेलने लगी है। अब तो अध्यापक नाममात्र वेतन पर ठेके पर रह जिंदगी में किसी स्थायित्व को देने की मांग करते हैं, तो उन्हें कच्चे मुलाजिम कह कर अपने बजट से निकाल दिया जाता है। शिक्षालयों के भवन आज भी खड़े हैं, लेकिन लगता है, उनसे विद्या और प्रेरणा रूठती जा रही है। हर लक्ष्य तक पहुंचने के लिए चोर दरवाजे और संक्षिप्त रास्ते खुलने लगे हैं। आजकल तप और साधना से पूर्ण शिक्षा प्राप्त करने की बात कौन करता है? विद्या के गुलाबों की खुशबू की जगह कुकुरमुत्तों ने ले ली है। हथेली पर सरसों जमाने की ठेका विधियां दनदनाने लगी हैं। अकादमियां ठेके पर नौकरी-वान डिग्रियों, डाक्टर, इंजीनियर या जनसंपर्क और प्रचारक की डिजिटल संस्थानों के ठेके दिलवाने लगीं। यही नहीं, देश की नई पीढ़ी को विदेश भिजवाने के लिए ठेका अकादमियां भी खुल गईं। वे अग्रिम भुगतान लेकर किसी को विदेश के किसी कानूनी, गैर-कानूनी विमान या जहाज पर चढ़ा देती हैं। अगर ऐसा न हो सके, तो ठेका शादियों का गुप्त मार्ग खुला है।

भविष्य को मजबूती से निहारता बजट

अंतरिम बजट का मतलब है जिम्मेदार होना, नए उपायों को लेकर शानदार होना नहीं। इस अर्थ में यह बजट जिम्मेदार, भरोसेमंद है और भारतीय विकास प्रक्रिया में विश्व समुदाय के विश्वास को मजबूत करता है। अंतरिम बजट 2024-25 के बारे में मेरे पास बताने के लिए करीब सात बिंदु हैं। सबसे पहले और सबसे अहम बात यह है कि बजट का मूल्यांकन न सिर्फ इस आधार पर किया जाना चाहिए कि आप क्या करते हैं, बल्कि इस आधार पर भी कि आप क्या नहीं करना चाहते हैं। यह देखते हुए कि यह एक चुनावी साल है, यह उम्मीद की गई होगी कि सार्वजनिक व्यय, प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण और सार्वजनिक सब्सिडी के माध्यम से लोकलुभावन उपायों की घोषणा की जाएगी। ऐसी कोई घोषणा नहीं की गई। इसके बजाय, सरकार ने राजकोषीय सुदृढ़ीकरण का मार्ग अपनाया। यह नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के प्रति उनके आत्मविश्वास से उपजा है। केवल असुरक्षित सरकारें ही चुनावी नतीजों को बेहतर बनाने के लिए लोकलुभावन कदम उठाती हैं। अल्पकालिक लाभ की तुलना में व्यापक आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता दी गई है। निवेशकों को प्रोत्साहित करने और अतिरिक्त निजी पूंजी व्यय को गति देने के लिए राजकोषीय संतुलन बनाने की जो कोशिश हुई है, उसकी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना की जाएगी। दूसरा, व्यय का ढर्रा देखें, तो पूंजीगत व्यय को 11 प्रतिशत का एक और प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है। हम लगातार उच्च पूंजीगत व्यय की राह पर हैं। राजस्व व्यय पर पूंजीगत व्यय को प्राथमिकता पिछले कई बजटों की विशेषता रही है। इससे विकास को बढ़ावा मिलेगा। तीसरा, यह चौथा वर्ष है, जब भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के मुताबिक भारत की विकास दर 7 प्रतिशत रहने की संभावना है। आगामी वर्षों में 7 प्रतिशत से भी ज्यादा की विकास गाथा को आगे बढ़ाया जाएगा, जो विकसित भारत बनाने के लिए खास प्रेरणा होगी। भारत बेशक 7 ट्रिलियन की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है और निकट भविष्य में 10 ट्रिलियन तक भी पहुंचेगा। ऐसे लक्ष्य सामने हों, चौथा, विकास गाथा में पहले के वर्षों की तुलना में ज्यादा राजस्व उछाल दिख रही है। इस वर्ष जीडीपी में कर हिस्सेदारी 18 प्रतिशत से ज्यादा होने की संभावना है। यह केंद्र सरकार के प्रत्यक्ष व परोक्ष करों में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ बेहतर राज्य जीएसटी का भी परिणाम है। राज्यों को अपने कर प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। तथ्य यह है कि राज्यों के लिए आवंटित अतिरिक्त 1 लाख करोड़ रुपये में से 90 प्रतिशत से अधिक का उपयोग हुआ है, जो विकास को बढ़ाने वाली व्यय प्राथमिकताओं में राज्यों के जिम्मेदारी भरे व्यवहार को भी दर्शाता है। इससे राज्यों के राजकोषीय और ऋण प्रदर्शन में भी सुधार होगा। पांचवां, यह बजट साल 2030 तक उत्सर्जन तीव्रता को 35 प्रतिशत तक कम करके जलवायु परिवर्तन के प्रति राष्ट्रीय स्तर पर तय योगदान को पूरा करने पर नए सिरे से जोर देता है। छत पर सौर ऊर्जा सहित अक्षय ऊर्जा के लिए प्रोत्साहन जैसे कई उपायों की घोषणा की गई है, जो प्रशंसनीय है। इससे न केवल अक्षय ऊर्जा पर निर्भरता की आदत पड़ेगी, बल्कि कुप्रबंधन की शिकार राज्य विद्युत वितरण कंपनियों को भी अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में सुधार और प्रतिस्पर्द्धा करने की प्रेरणा मिलेगी। विकास की गुणवत्ता में सुधार के लिए राज्य के साथ लोगों की साझेदारी भारतीय विकास गाथा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नारी शक्ति, महिलाओं, युवा सशक्तिकरण और पारिस्थितिक रूप से टिकाऊ फसलों के लिए किसानों को बढ़ावा देने के उपायों पर नए सिरे से जोर दिया जाना भी विकसित भारत बनाने की रणनीति में एक महत्वपूर्ण कारक होगा।

आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक-3-6-8

वृषभ : [illegible] शुभांक-4-6-8

मिथुन : [illegible] शुभांक-3-5-7

कर्क : [illegible] शुभांक-2-4-6

सिंह : [illegible] शुभांक-1-3-5

कन्या : [illegible] शुभांक-4-6-8

तुला : [illegible] शुभांक-5-7-9

वृश्चिक : [illegible] शुभांक-2-6-9

धनु : [illegible] शुभांक-6-8-9

मकर : [illegible] शुभांक-4-7-9

कुंभ : [illegible] शुभांक-3-5-7

मीन : [illegible] शुभांक-2-6-7

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5138

		7				9		8
	3		1	7				4
					6			
6	9	8	7	4		3		
		3		1		4		
		1		3	9	7	6	2
			4					
9				5	1		4	
4		5				1		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5137

2	9	6	1	4	5	8	3	7
3	5	7	8	2	6	1	4	9
1	4	8	9	3	7	5	2	6
6	3	9	5	1	2	4	7	8
5	8	1	7	6	4	3	9	2
4	7	2	3	9	8	6	1	5
9	6	4	2	8	3	7	5	1
8	1	5	4	7	9	2	6	3
7	2	3	6	5	1	9	8	4

वर्ग पहेली 5138

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1977 को पैदा हुए थे ये मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री (7)
7. जलपक्षी, जलाशयों के समीप रहने वाले पक्षी (4)
8. निशान, चिन्ह, परीक्षा में प्राप्त अंक (2)
9. निर्मित, उद्घाटन या विनिर्मित किया हुआ (2)
10. र वर्ण बोधक अक्षर (3)
14. एक प्रकार का रत्न जिसे [illegible] (2)
15. परिचर्या, [illegible], सेवा-सुश्रुषा (3)
17. गीत प्रस्तुत करने की क्रिया, गायन (2)
18. यह क्षेत्र कोयला खदान के लिए प्रसिद्ध है (4)
20. तमाशा देखने वाला व्यक्ति (4)
22. डाला जाना, छोड़ा जाना (3)
24. जो रिश्ते में पति की बहन हो (3)
25. अशुचि, पवित्र, पुनीत (2)

ऊपर से नीचे

1. चलचित्र दिखाने का पर्दा (5)
2. घुलना, विलय होना, सना जाना (3)
3. समुद्र में उत्पन्न एक जंतु का खोल, समुद्री [illegible] जिसे हिंदू धर्म के लोग पवित्र मानते हैं (2)
4. किनारे पर, समीप, मेड़, करधनिया (3)
5. घोंसला, हिसाब, लेखा, गिनती (3)
6. लिपिक, हिसाब-किताब एवं पत्राचार करने वाला कर्मचारी, बाबू (2)
11. जयशंकर प्रसाद का प्रसिद्ध प्रबंध काव्य (4)
12. रूपवान, रूप, पुरानी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री (3)
13. एक प्राचीन शस्त्र, [illegible], विकट पीड़ा (2)
14. प्रकाश झा निर्देशित [illegible] अभिनीत एक प्रसिद्ध सफल फिल्म (4)
16. पवनसुत, केसरी नंदन (4)
18. यह बुंदेलखंड का प्रसिद्ध लोकनृत्य है, एक प्रकार की छोटी सरसों (2)
19. नेपाल और बिहार में बहने वाली एक नदी (3)
20. शरीर, देह, काया (2)
21. हर्षित, खुशी, प्रसन्न (2)
23. संबंध में, हेतु, वास्ते (2)

वर्ग पहेली 5137 का हल

श्री	ले	का		स	र	ह	द
म		यू		मा	ड	ड	
ती	त्र	न	वा	ई		स	पा
	ल	य			ना	ग	व
जो	ट	ना		स	ही		र
दा		ना	ग	न		म	हा
व			जी		भा		उ
हि	ड	र		दे	व	दा	स

बहू ने वृद्ध सास ससुर को किया दरबदर

मनासा, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। यह हमको पहली बार सुनने में नहीं आ रहा है की जो वृद्ध माता-पिता सास ससुर अपने बेटे की शादी कर अपनी वृद्ध अवस्था का भविष्य अपने बेटे बहु में देखते है। और भारतीय संस्कृति के चलते बहू को घर की लक्ष्मी दर्जा देकर माता-पिता पूरे समाज और परिवार को एकत्रित कर वैधानिक रीति रिवाज के हिसाब से लाखों खर्च कर वार्षिक उत्सव समारोह की तरह बहु को गृह प्रवेश करवाया जाता है। लेकिन बाद में इस्थतियां विपरीत होती तो वृद्धा आश्रम एक मात्र रास्ता दिखाई देता है।

कुछ ऐसी ही एक कहानी नीमच जिले के मनासा तहसील के गांव कानखेड़ी की सामने आई है। जिस संदर्भ में एक वृद्ध दंपत्ति श्याम लाल व्यास पिता विश्वनाथ व्यास एवं श्रीमती भगवती बाई पति श्याम लाल व्यास ने नीमच जिला पुलिस मुख्यालय जिला कलेक्टर कार्यालय एवं एसडीओपी मानसा में अपने शिकायत आवेदन में बताया कि उनके पुत्र स्वर्गीय मुकेश पिता श्याम लाल व्यास का विवाह काना खेड़ा निवासी मंगला से हुआ था जिससे स्वर्गीय मुकेश व्यास से एक पुत्र सचिन एवं एक पुत्री है मुकेश के निवास स्थान पर चैन सिंह पिता मांगीलाल दांगी निवासी कुंडला ने आकर एक दुकान किराया से ली। उसके बाद मुकेश की पत्नी के साथ पूरी सोची समझी साजिश के तहत अवैध संबंध बनाए। एवं जब इस बात का पता मुकेश को चला तब उसने अपने स्तर पर परिवार को बचाने का हर संभव प्रयास किया।लेकिन चरित्रहीन बहू ने मुकेश को परेशान और प्रताड़ित किया जिसके चलते सन 2019 में मुकेश ने आत्महत्या कर जीवन लीला को समाप्त कर ली। बात यहां तक भी नहीं रुकी प्रेमी चैन सिंह एवं स्वर्गीय मुकेश की चरित्रहीन पत्नी मंगला के अवेध संबंधों के चलते बेटे सचिन ने भी छै माह पूर्व आत्महत्या कर अपने जीवन लीला समाप्त कर ली। तब तक भी प्रेमी प्रेमिका दिल नहीं भरा अपनी हरकतों से बाज नहीं आए एवं उसके बाद साथ में रह रहे मुकेश के माता-पिता एवं मंगला के सास ससुर श्याम लाल, भगवती का रहना रास नहीं हुआ। एवं आए दिन दोनों वृद्ध दंपति को प्रेमी चैन सिंह एवं मंगला द्वारा गाली गलोज एवं मारपीट कर आए दिन प्रताड़ित करा। खाना पीना दुश्वार कर दिया एवं आवेदिका ने अपने शिकायत आवेदन में बताया की दोनों को प्रताड़ित करने मूल उद्देश वृद्ध की चल अचल संपत्ति को पूरी तरह हथिया लिया जाए। उसी प्रकार से परेशान किया जाए जिन परेशानियों के चलते पति मुकेश एवं पुत्र सचिन ने आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त की है। परेशान दंपती श्याम लाल व्यास एवं उनकी धर्मपत्नी भगवती बाई ने बहु और प्रेमी के द्वारा अप्रिय घटना घटित होने की आशंका के चलते अपने निवास स्थान से मनासा आकार जीवन व्यापान करने लगे एवं अपनी अचल संपत्ति द्वारा अर्जित आए से अपनी आजीविका चलाने का फैसला किया एवं स्वयं की अर्जित की संपति का सौदा क्रेता अशोक पिता सुखलाल धनगर कान खेड़ी से किया। उस बात पर बहु मंगला एवं उसका प्रेमी चेन सिंह दांगी बौखला गए और वृद्ध के मनासा निवास स्थान विवेकानंद कालोनी पर आकर भी वृद्ध दंपति के साथ अभद्र व्यवहार किया बे बुनियाद आधार पर झूठे प्रकरण में उलझाने एवं क्रेता अशोक पिता सुखलाल धनगर को भी जान से मारने की धमकी दी। जिस पर वृद्ध दंपति श्याम लाल एवं भगवती बाई ने समस्त संबंधित विभाग में अपना शिकायत आवेदन प्रस्तुत कर जान मान की रक्षा की मांग की एवं न्याय की गुहार लगाई।

कलेक्टर ने की जनसुनवाई, 76 लोगों की सुनी समस्याएं

नीमच, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। आम रास्तों तथा शासकीय एंव निजी भूमि पर अतिक्रमण के आवदनों का तत्काल निराकरण करना सुनिश्चित करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए मैलानखेडा के बंटीकुमार एवं विकास नगर नीमच के राजेन्द्र प्रसाद के आवेदन पर तहसीलदार जावद एवं जनपद सीईओ नीमच को दिए। मेलानखेडा के बंटीकुमार ने जनसुनवाई में अपने मकान पर आने जाने के रास्ते पर चबुतरा निर्माण, पत्थर आदि डालकर रास्ते को अवरूद्ध करने के विरूद्ध कार्यवाही करने और मकान पर आने जाने का रास्ता दिलवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। विकास नगर नीमच के राजेन्द्र प्रसाद ने सावन स्थित खेत की निजी भूमि के सामने अवैध रूप से रोडी, कचरा, मिटटी,लकडी आदि सामान रखकर मकान बनाने और खेत पर जाने का रास्ता रोकने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने तथा रास्ता दिलाने संबंधी आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किया। जनसुनवाई में एडीएम सुश्री नेहा मीना, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद एवं अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टोरेट नीमच में मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने 76 लोगों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित जिला अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में बर्डिया की लीलाबाई बागरी ने जान से मारने की धमकी देने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने, नीमच सिटी के वार्ड नम्बनर 4 की गुडडीबाई ने गाली गलोच करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने, जावद के ईकबाल ने वार्ड नं.2 से अतिक्रमण हटवाने, बरखेडा की गीताबाई भील ने आवास योजना का लाभ दिलवाने, रावतभाटा की देवकन्या गुर्जर ने सम्पति को विक्रय कर, दुर्व्यवहार करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने, मालखेडा के टोली पारदी ने आवास हेतु अनुदान राशि स्वीकृत करने एवं उगरान के मांगीलाल गायरी ने स्वयं की भूमि का कब्जा दिलवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। इसी तरह जनसुनवाई में कदवासा के नन्दगलाल मेघवाल, सावनकुण्डआ की राधाबाई बंजारा, जवाहर नगर नीमच के विजय चावला, विकास नगर नीमच की सारीका ईसाई, अठाना के गोपाल, प्रेमपुरा के बाबुलाल भील, नीमच के शिवराम पाटीदार, बोरखेडी की ताराबाई, भरभडिया के कारूलाल तेली, रामपुरा के भंवरलाल भाटखेडी मोहल्लाद नीमच सिटी के भगवती प्रसाद मेहता, बघाना की मंजूबाई भील, राबडिया के रामचंद पाटीदार, मल्हामरगढ के राधेश्याम लौहार, गांधी नगर नीमच की उषा सुबोध विश्नोई आदि ने भी अपना आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत कर अपनी समस्याएं सुनाई।

जनसुनवाई में 45 आवेदन आएं

मंदसौर, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने सुशासन भवन सभाकक्ष में ग्रामीण जनों की समस्याएं सुनी प्रति मंगलवार की तरह जिला कलेक्ट्रेट (सुशासन भवन) में साप्ताहिक जनुसनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसुनवाई में जिले भर से आए 45 आवेदकों की समस्?याएं सुनी। कलेक्टर श्री यादव ने अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण करने के अधिकारियों को निर्देश दिये। जनसुनवाई में आवेदकों ने अपनी समस्या/ शिकायत/ मांग/ आर्थिक सहायता संबंधी आवेदन दिये। जनसुनवाई में दौरान वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी आवेदकों से आवेदन पत्र प्राप्त कर उन पर समुचित कार्यवाही के लिये विभाग प्रमुखों की ओर प्रेषित किया। जनसुनवाई में बीपीएल सूची में नाम जुडवाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास मंजूर करने, निजी भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि विवाद, बीमारी सहायता, आपसी विवाद, शिक्षा ऋण दिलाने, सामुदायिक सुविधा घर (कम्युनिटी टायलेट) बनवाने आदि विषयों के आवेदन प्राप्त हुये। जिनके निवारण हेतु संबंधित विभागाधिकारियों को निर्देश दिये।

12 कॉलोनियों के रुके नामान्तरण शीघ्र होंगे

पिपलियामंडी, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर की 12 कॉलोनियों के रुके हुए नामान्तरण जल्द होने लगेंगे। नगर परिषद् अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील देवरिया ने बताया पिछले कुछ वर्षों से नगर में 12 कॉलोनियों के नामान्तरण नही हो पा रहे है। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चोहान ने वर्ष 2022 में अवैध कॉलोनियों को वैध करने की घोषणा भी की थी। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के निर्देश पर कलेक्टर दिलीकुमार यादव ने पिपलिया सीएमओ प्रमोद जैन को कॉलोनियों में रहवासियों को नामान्तरण संबंधी हो रही समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए है। देवरिया ने बताया कि शीघ्र समस्या का निराकरण होगा और नामान्तरण किए जाएंगे।

जाते-जाते फिर लौटी ठंड

कम हुई विजिबिलिटी, तापमान में हल्की गिरावट

मंदसौर, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले में एक बार फिर ठंड का दौर लौट आया है। मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। विजिबिलिटी 200 से 500 मीटर तक रही। तापमान में भी गिरावट आई है। अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

पिछले कुछ दिनों से वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के चलते मौसम बदला हुआ रहा। सिस्टम के गुजर जाने के बाद अब फिर से ठंड का दौर शुरू हुआ है। फरवरी माह में रातें ठंडी और दोपहर में गर्मी का ट्रेंड रहता है। ऐसा इस बार भी रहेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के गुजरने से रात के टेम्प्रेचर में गिरावट होगी, जबकि दिन का तापमान बढ़ा रहेगा। हालांकि इस दौरान तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं आएगी। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि सिस्टम गुजरने से मंगलवार से मौसम फिर बदलाव के साथ ठंड का हल्का दौर लौट आया है। प्रदेश भर में रात के टेंपरेचर में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आ सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल के अनुसार, कुछ दिनों के बाद एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। वहीं जेट स्ट्रीम भी चलेगी। इससे प्रदेश में मौसम का मिजाज फिर से बदल जाएगा।

वीआईपी कौन...?

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। देश के प्रधानमंत्री मोदी जी ने कई अवसरो पर कहा हे की वे देश के प्रधानमंत्री नही देश के सेवक हे और जब प्रधानमंत्री सेवक हे तो यह माननीय वीआईपी केसे हो गए ? सांसद, विधायक व प्रशासनिक अधिकारियो को वेतन भत्ते के साथ ही मुफ्त यात्रा चाहे वह हवाई जहाज हो या रेल या बस की, टेलीफोन की या आवास की सुविधा के साथ ही कार्यकाल पूरा होने पर पेंशन की व्यवस्था इसके अतिरिक्त चंद वर्षो में ही सामाजिक स्थिति और रहन सहन में भारी बदलाव आ जाता हे। चिंता तो उसकी की जानी चाहिए जिसने इन्हे सांसद या विधायक बनाया हे। इसका भी तो पता लगाइए की इन माननीयो ने अपने मतदाताओ के जीवन में कितना बदलाव लाया हे। क्या जनता के सम्मान की चिंता नही की जाना चाहिए, क्या यह बदलाव नहीं होना चाहिए की इन माननीयो के स्थान पर आम लोगो को सुख सुविधाएं और सम्मान मिले, क्या यह दोहरा मापदंड नही हे की नाम लोकतंत्र का हो और काम मोजतंत्र का। एक व्यक्ति जब सांसद, विधायक या कोई बड़ा प्रशासनिक अधिकारी बन जाता हे तो उसकी सात पीढ़ियां तर जाती हे और जो जनता इनको चुनती हे उसकी दुर्गति हो जाती हे। आज देश में ऐसा प्रधानमंत्री हे जो अपना खर्च स्वयं उठाते हे, ऐसा प्रधानमंत्री जिसने अपने परिवार के सदस्यो को अपने और अपने कर्तव्यो के बीच नही आने दिया उससे तो यह अपेक्षा की ही जाती हे की वे अपनी पार्टी के जनप्रतिनिधियों को जनसेवक के रूप में तैयार करे और स्वयं पार्टी के सभी कार्यकर्ता भी उनसे प्रेरणा लेकर सही अर्थ में जनसेवक के दायित्व का निर्वाह करे। अगर सांसद या विधायक चाहे वह किसी भी राजनेतिक दल के हो वास्तव में जनता के सेवक बन जाएंगे तो सारी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। न तो इन्हे सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता होगी और न मान सम्मान की क्योंकि जनता ही इन्हे सुरक्षा देकर इनके मान सम्मान की रक्षा करेगी। सरकार इन्हे जब वेतन भत्ते दे रही हे तो फिर मुफ्त सुविधाओ की इन्हे आवश्यकता क्यों हे ? इन्हे पेंशन के नाम पर करोड़ो रूपयो का भुगतान क्यों किया जा रहा हे। जब ये जनता की सेवा के लिए राजनीति में आए हे तो इन्हे किसी भी प्रकार के लाभ की अपेक्षा भी नही करनी चाहिए। जब एक कर्मचारी या अधिकारी लगभग साठ वर्ष की सरकारी सेवा के बाद पेंशन का हकदार होता हे तो इन सांसदो व विधायको के लिए क्यों यह प्रावधान हे की पांच वर्ष का कार्यकाल होने के बाद जीवनभर पेंशन का लाभ लेते रहे। देश तो बदलाव की राह पर चल रहा हे तो फिर प्रोटोकाल और सम्मान की भावना का प्रदर्शन तो हमारे सैनिको के लिए होना चाहिए जो बाहरी दुश्मनो से देश की और आम जनता की रक्षा कर रहे हे, सम्मान उन परिवारो का होना चाहिए जिनके परिजनो ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणो को न्योछावर कर दिया। देश में असली वीआईपी यदि कोई हे तो वह हमारे सैनिक हे। जो अपने आप को वीआईपी समझ रहे हे वह भ्रम में हे। हमारा संविधान सभी को समानता का अधिकार देता हे। गलती या अपराध आम नागरिक करे या कोई रसूखदार सबके लिए समान सजा का प्रावधान हे किंतु क्या ऐसा होते हुवे दिखाई देता हे ? वीआईपी संस्कृति देश से विदा होने का नाम ही नही ले रही क्योंकि इसे बनाए रखने वाली लाबी इतनी सशक्त हे की वह इसे किसी भी कीमत पर छोड़ना नही चाहती। इस संस्कृति के आदि हो चुके अधिकारी और जनप्रतिनिधि इसे रोकने की पहल करेंगे ? जिस देश में लाखो लोग आज भी पेट भरने को मोहताज हो, फुटपाथ पर सोने को मजबूर हो, बिना इलाज के दम तोड़ देते हो उस देश में वीआईपी संस्कृति चल नही रही बल्कि दौड़ रही हे। यह शर्मनाक हे। इसे समाप्त करने की इच्छाशक्ति सरकार को ही दिखानी होगी। केंद्र सरकार ऐतिहासिक निर्णयों के लिए जानी जाती हे। अपेक्षा हे की इस वीआईपी संस्कृति को समाप्त करने की पहल करेगी। क्योंकि लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि हे।

गौरव सोनी, मंदसौर

तीनों मैच जीत कर मंदसौर स्ट्राईकर्स अंक तालिका में सबसे टॉप पर...

चौथे दिन मंदसौर स्ट्राईकर्स एवं मंदसौर मेवरिक्स रहे विजेता

मंदसौर, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गनेड़ीवाल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित वात्सल्य प्रीमियर लीग-2 क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे दिन मंदसौर स्ट्राईकर्स एवं मंदसौर मेवरिक्स ने अपने-अपने लीग मैच जीते। इस टूर्नामेंट में मंदसौर स्ट्राईकर्स ने अपने तीनों मैच जीतकर तालिका में सबसे उपर है वहीं सफल वारियर्स तीनों मैच हारने की वजह से तालिका में सबसे नीचे पहुंच गई है।

चौथे दिन पहला लीग मैच सफल वारियर्स व मंदसौर स्ट्राईकर के बीच खेला गया जिसमें पहले खेलते हुए मंदसौर स्ट्राईक ने निर्धारित 15 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 152 रनों का लक्ष्य दिया। जिसमें कप्तान दीपक पुनिया ने 43 बॉल पर 76 रन की नाबाद पारी खेली उन्होंने 7 चौके व 5 छक्के जड़े। आशीष ने 20 बाल में 43 रन (3 चौके 4 छक्के) बनाये। सफल वारियर्स के विजन पांचाल ने 2 तथा सौरभ धारीवाल, अकाश परकर, अश्विन दास ने 1-1 विकेट लिये। जवाब में सफल वारियर्स 15 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 139 रन ही बना सकी। आकाश परकर ने 27 बाल 57 रन (8 चौके 2 छक्के), सौरभ धारीवाल 25 बाल पर 51 (6 चौके, 3 छक्के) की अर्धशतकीय पारी खेली। मंदसौर स्ट्राईकर्स के आशीष ने 3 विकेट लिये। वहीं मनीष शेरावत, अंकित चौधरी, दीपक पुनिया व सुनील शर्मा ने 1-1 विकेट लिया। कप्तान दीपक पुनिया ने मैन ऑफ द मैच दिया गया। दुधिया रोशनी में दूसरा मैच राज राईडर्स व मंदसौर मेवरिक्स के बीच हुआ। जिसमें राज राईडर्स 15 ओवर ने 9 विकेट के नुकसान पर 102 ही बना सकी। कप्तान अजय रोहेरा 27 बाल पर 35 रन (6 चौके), अंकुश त्यागी ने 20 बाल पर 22 रन (1 चौके, 2 छक्के) बनाये। मंदसौर मेवरिस्क ने विशाल गोधार व प्रदीप पाराशर ने 3-3 विकेट चटकाये। शुभम गढ़वाल ने 2 तथा रितिक मुवारा ने 1 विकेट लिया। जवाब में मंदसौर मेवरिस्क ने मात्र 12.4 ओवर में लक्ष्य प्राप्त कर लिया। उन्होंने 6 विकेट खोकर 103 रन बनाकर 4 विकेट से विजय प्राप्त की। शुभम गढ़वाल ने 18 बाल पर 39 रन (3 चौके, 3 छक्के), वरूण लवांडे ने 35 बॉल 38 रन (2 चौके 2 छक्के) लगाये। अंकित कुशवाह 3 विकेट, माधव तिवारी ने 2 विकेट व अंकुश त्यागी ने 1 विकेट लिया। विशाल गोधारा को मैन ऑफ द मैच दिया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत नपा सभागृह में शिविर का आयोजन, नपाध्यक्ष ने शुभारंभ किया

मंदसौर, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। भारत सरकार के निर्देशानुसार विकसित भारत संकल्प यात्रा का द्वितीय चरण प्रारंभ हो गया है। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास व आवास विभाग के निर्देशानुसार विकसित भारत संकल्प यात्रा के द्वितीय चरण के अंतर्गत मंदसौर नगर में चयनित स्थानो पर नपा परिषद व जिला प्रशासन के द्वारा शिविरो का आयोजन किया जाना है। कल इसी उपलक्ष्य में नपा कार्यालय सभाग्रह मे विकसित भारत संकल्प यात्रा के द्वितीय चरण के अंतर्गत आयोजित पहले शिविर का आयेजन किया गया है ! इस शिविर का शुभारंभ नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर एवं मंदसौर कमर्शियल साख सहाकारी संस्था के अध्यक्ष श्री विनय दुबेला के द्वारा किया गया। शिविर का उदघाटन के अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष राम कोटवानी, नपा सभापतिगण निलेश जैन, सत्यनाराण भांभी, पार्षद गोरर्धन कुमावत, कमलेश सिसौदिया, नपा कार्यपालन यंत्री पीएस धारवे भी मंचासीन थे। सभी अतिथियो एवं नपा के जनप्रतिनिधीयो के द्वारा इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि के स्वीकृति पत्रो को भी हितग्राहीयो को वितरित किया गया तथा कन्या पूजन भी किया गया।

नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि केन्द्र सरकार की जितनी भी जनकल्याणकारी योजनाओ है उनका लाभ हितग्राहीयो को मिल रहा है। हितग्राहीयो को शासन की योजनाओ का लाभ मिले इसीलिये विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत इस प्रकार के शिविर लगाये जा रहे है। हितग्राहीयो को इस प्रकार के शिविरो का लाभ लेना चाहिये मंदसौर साख सहकारी संस्था के अध्यक्ष श्री विनय दुबेला ने भी इस अवसर पर केन्द्र सरकार की योजनाओ की जानकारी दी। स्वागत उदबोधन नपा कार्यपालन यंत्री पीएस धारवे ने किया। अतिथियो का स्वागत अक्षय जैन, महेश शर्मा धमेन्द्र सोनगरा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में राजेश गुर्जर व विभिन्न विभागो शासकीय विभागो के प्रमुख कर्मचारीगण भी उपस्थित थे। संचालन धमेन्द्र सोनगरा ने किया आभार अजय शर्मा ने माना।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	150	2050	2215
उड़द	7	5981	6550
सोयाबीन	2725	3510	4654
गैहु	1657	2380	3131
चना	50	5001	5841
मसुर	110	5101	5900
धनिया	559	3900	6572
लहसुन	13200	9500	30100
मैथी	425	4900	6688
अलसी	4741	4500	4940
सरसो	2500	3990	4841
तारामीरा	1	4501	4501
इसबगोल	9	13000	15462
प्याज	1748	301	1152
कलोंजी	60	14001	16680
डॉलर	10	8000	15201
तिल्ली	00	00	00
मटरसुखी	8	4411	4980
असालीया	358	5451	9050

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल-ceproc.encwrd.bpl@nic.in फोन-0755-2767635, फैक्स- 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक- 1050/2023-24/प्रमुख अभियंता/ई-टेण्डरिंग/ भोपाल, दिनांक 01.02.2024

निम्न कार्यो हेतु निविदाए वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 26.02.2024 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते है। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकता है। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_329640	लालाखेड़ी बैराज के समीप घाट निर्माण एवं डाउनस्ट्रीम प्रोटेक्शन का निर्माण कार्य।	शाजापुर	111.69
2.	2024_WRD_329647	जामनेरी बैराज के समीप घाट निर्माण एवं डाउनस्ट्रीम प्रोटेक्शन का निर्माण कार्य।	शाजापुर	108.48
3.	2024_WRD_329648	पेवची बैराज के समीप घाट निर्माण एवं डाउनस्ट्रीम प्रोटेक्शन का निर्माण कार्य।	शाजापुर	122.68
4.	2024_WRD_329650	कुंडीघाट बैराज के समीप घाट निर्माण एवं डाउनस्ट्रीम प्रोटेक्शन का निर्माण कार्य।	शाजापुर	86.16
5.	2024_WRD_329651	घाटवाला महाराज बैराज के समीप घाट निर्माण एवं डाउनस्ट्रीम प्रोटेक्शन का निर्माण कार्य।	शाजापुर	197.92
6.	2024_WRD_329652	ढूंटी बांयी तट नहर प्रणाली की जागपुर माईनर के चैन क्रमांक 0 से 97 दुगलई सब माईनर के चैन क्रमांक 0 से 54 एवं टिटवा माईनर के चैन क्रमांक 0 से 50 तक विशेष मरम्मत कार्य।	बालाघाट	75.56
7.	2024_WRD_329653	ढूंटी बांयी तट नहर प्रणाली के चिचगांव माईनर के चैन क्रमांक 0 से 133 एवं नैतरा सब माईनर के चैन क्रमांक 0 से 95 तक विशेष मरम्मत कार्य।	बालाघाट	99.02
8.	2024_WRD_329655	बांध सुरक्षा संगठन के कार्यालयीन उपयोग हेतु स्वारा भवन का सुदृढ़ीकरण एवं उन्नत कार्य	भोपाल	68.15
9.	2024_WRD_329657	सिपावरा बैराज के डाउन स्ट्रीम एवं अपस्ट्रीम बाडीवाल तथा क्षतिग्रस्त भाग का मरम्मत कार्य, एप्रोच आर.डी. 195 मीटर से 210 मीटर तक का कार्य।	रतलाम	27.48
10.	2024_WRD_329658	धुंरेरी बैराज का प्रोटेक्शन कार्य।	उज्जैन	40.00
11.	2024_WRD_329659	टर्न की पद्धति पर- देवपुर स्टॉप डेम का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	ग्वालियर	233.64
12.	2024_WRD_329662	बाणसागर विजिटर एवं व्ही.आई.पी. रेस्ट हाउस के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	शहडोल	56.14
13.	2024_WRD_329663	सिंध परियोजना नहर मण्डल के अंतर्गत शिवपुरी, नरवर एवं करैरा स्थानों पर मंडल संभाग कार्यालयों में निरीक्षण वाहन किराये पर लिये जाने के संबंध में।	शिवपुरी	40.89
14.	2024_WRD_329665	टर्न की पद्धति पर- खेड़ापति तालाब का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस पर सीमित नहीं।	बडवानी	522.72
15.	2024_WRD_329666	बेगड़ा तालाब योजना का शेष निर्माण कार्य (आर.आर.आर.) मद के अंतर्गत।	अलीराजपुर	100.00
16.	2024_WRD_329667	टर्न की पद्धति पर- उमरिया तालाब का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	मंदसौर	274.52
17.	2024_WRD_329668	टर्न की पद्धति पर- देहरीपाल तालाब (नहर रहित) बांध एवं साजौद वियर (गेट सहित) का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	शाजापुर	731.39
18.	2024_WRD_329669	टर्न की पद्धति पर- श्याम नगर जलाशय (नहर रहित) बांध का कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस पर सीमित नहीं।	सतना	877.96
19.	2024_WRD_329673	टर्न की पद्धति पर- नैनपुर अंतर्गत थांवर आर.बी.सी. की आर.डी. 0 से 15150 मी. खिरसारु माईनर नं.01, आर.डी.0 से 600 मी. खिरसारु माइनर नं.02, आर.डी. 0 से 540 मी. भरवेली माईनर, आर.डी.0 से 1710 मी. लालपुर माईनर नं.1, आरडी. 0 से 840 मी. लालपुर माईनर नं.02, आर.डी.0 से 780 मी. लुटमरा माईनर 0 से 1230 मी. में मिट्टी कार्य, स्ट्रक्चर, एस्केप, सी.डी., व्ही.आर.बी., एक्वाडक्ट, नाला साइफन, केनाल फाल 1.8 मी. हेड रेग्युलेटर, आउटलेट एवं लाईनिंग का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	मण्डला	993.36
20.	2024_WRD_329675	प्रत्येक संभागों (गुना, राघौगढ़, राजगढ़, अशोकनगर) हेतु 03 बुलेरों वाहन टैक्सी परमिट के मान से 12 वाहन।	गुना	44.60
21.	2024_WRD_329676	टर्न की पद्धति पर- तिघरा बैराज का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	पन्ना	385.77
22.	2024_WRD_329680	खेताखेड़ा तालाब के डूब क्षेत्र में आ रही एल.टी. लाईन शिफ्टिंग का कार्य।	मंदसौर	21.57
23.	2024_WRD_329681	टर्न की पद्धति पर- रुमई स्टॉप डेम का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	मुरैना	275.16
24.	2024_WRD_329685	कान्याखेड़ी मध्यम सिंचाई परियोजना अंतर्गत डूब प्रभावित ग्राम केशोपुर के पुनर्वास हेतु मूलभूत सुविधाओं के निर्माण कार्य।	सीहोर	830.57

G-23833/2023 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

हरदा में बड़ा हादसा...

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 12 की मौत, 100 से अधिक घायल, सड़क पर बिखरे पड़े शव

हरदा, 6 फरवरी। मध्य प्रदेश के हरदा में पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट हो गया। हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। वहीं 100 से ज्यादा लोग घायल हैं। फैक्ट्री के आसपास सड़क पर भी कुछ शव पड़े हुए दिख रहे हैं। प्रशासन ने 25 से ज्यादा घायलों को हरदा जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। रेस्क्यू ऑपरेशन में सेना की ली जाएगी। लोगों को हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू किया जाएगा

पटाखों की यह फैक्ट्री मगरधा रोड पर बैरागढ़ गांव में है। धमाका मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हुआ। धमाके की चपेट में आने से कई राहगीर वाहन समेत दूर उछल गए। धमाका इतना तेज था कि पूरे शहर में इसकी आवाज सुनाई दी। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर से देखा जा सकता है। अभी भी रुक-रुककर धमाके हो रहे हैं। जानकारी मिली है कि फैक्ट्री के आसपास बने घरों में बारूद रखा था। धमाके के बाद 60 घरों में आग लग गई। एहतियातन 100 से ज्यादा घरों को खाली कराया गया है। हरदा के आसपास 7 जिलों की फायर ब्रिगेड बुलाई गई है। आग लगने का कारण फिलहाल अज्ञात है। हरदा एसडीएम केसी परते ने कहा कि फैक्ट्री अनफिट थी।

40 किमी दूर तक आवाज सुनाई देने का दावा–हरदा में पटाखा फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट का असर 40 किलोमीटर दूर सिवनी मालवा तक हुआ। यहां नगरीय सहित ग्रामीण अंचलों में भूकंप जैसे झटके महसूस किए गए। हिरनखेड़ा के बसंत कुमार लिटोरिया का दावा है कि वे तालाब के पास खड़े थे, वहां आज आई और शरीर में कंपन होने लगा। इसी तरह अंकित गौर ने कहा कि वे लैपटॉप पर काम कर रहे थे। इसी दौरान दो बार तेज आवाज आई।ऐसा लगा जैसे डीजे चल रहा हो। इसी तरह सिवनी मालवा के सूरजपुर, लोखरतलाई, रावनपीपल, थुआ, झकलाय, बाबरी सहित नगरीय क्षेत्र में झटके महसूस किए गए। पूर्व मंत्री कमल पटेल ने अस्पताल पहुंचकर घायलों के हाल-चाल जाने और स्वजनों को मदद का आश्वासन दिया। घायलों की मदद के लिए कई लोग खुद ही रक्तदान करने जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। डी सी पी पद्म विलोचन शुक्ला ने बताया भोपाल में ट्रैफिक का पूरा अमला व्यवस्था बनाने में लगा दिया गया है, जिले की सीमा से एम्स और हमीदिया अस्पताल तक ग्रीन कारिडोर बन गया है।

हरदा की दु:खद घटना में घायलों के इलाज के लिए की जा रही हरसंभव व्यवस्था–मुख्यमंत्री

मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रूपए की सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जाएगी, सचिव गृह करेंगे घटना की जांच

नीमच, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हरदा में हुई दुर्घटना के संबंध में मंत्रालय में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि हरदा में दु:खद घटना घटी है, एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हुआ है। अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार छह लोगों की मृत्यु हुई है और लगभग 50 लोग घायल हुए हैं। घटना की जानकारी प्राप्त होते ही सम्पूर्ण प्रशासनिक अमले को राहत कार्यों के लिए तत्काल सक्रिय किया गया। हरदा के लिए 50 से अधिक एंबुलेंस रवाना की गई हैं। भोपाल, इंदौर, होशंगाबाद सहित आसपास के नगरों के अस्पतालों में बर्न यूनिट तत्काल आरंभ करने के लिये व्यवस्था की जा रही है। मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह, अपर मुख्य सचिव श्री अजीत केसरी तथा डीजी होमगार्ड को हेलीकॉप्टर से हरदा के लिए रवाना किया गया है। इसके साथ ही पुलिस बल भी भेजा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि घटना के संबंध में भारत सरकार को भी अवगत कराया गया है, आग पर काबू पाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। घायलों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी और उनका इलाज नि:शुल्क किया जाएगा। जिनकी मृत्यु हुई है, उनके परिजनों को चार लाख रूपए की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। घायलों का यथायोग्य इलाज कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। बाबा महाकाल सब पर कृपा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम प्रयास करेंगे कि किसी भी हालत में घटना की पुनरावृत्ति न हो। घटना की जाँच के आदेश दिए गए हैं। गृह सचिव जाँच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। जल्द ही आग पर काबू पाया जाएगा। हम सब हिम्मत रखें, सरकार पूरी तरह सजग और मुस्तैद है। राहत और व्यवस्था बहाल करने के लिए सभी प्रकार के प्रबंध किए जा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने हरदा घटना पर शोक व्यक्त किया–उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने हरदा की पटाखा फैक्ट्री में हुई अग्नि दुघर्टना के हादसे पर गहन दुख व्यक्त किया है। उन्होंने दुर्घटना में मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने घायलों के उपचार के लिये नजदीकी जिलों में पूरी व्यवस्था करने के निर्देश दिये हैं। भोपाल एवं इंदौर में भी घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्थाएं की गई हैं।

एसडीएम ने पटाखा गोडाउन का किया निरीक्षण, सुवाखेड़ा में पटाखा गोदाम सील

नीमच, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के निर्देशन एवं एसडीएम जावद के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने मंगलवार को ग्राम सुवाखेडा में चौरसिया पटाखा(विस्फोएटक) गोडाउन का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान गोडाउन की सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं पाये जाने और विस्फोटक सामग्री का स्टाक रजीस्टार उपलब्धो नहीं होने पर तहसीलदार श्री यशपाल मुजाल्दा व्दारा चौरसिया विस्फोटक(पटाखा) गोडाउन सुवाखेडा को सील कर दिया गया है। यह जानकारी एसडीएम जावद श्री राजकुमार हलदर व्दारा दी गई। उल्लैखनीय है, कि कलेक्टर श्री दिनेश जैन व्दारा जिले के सभी एसडीएम को निर्देश दिए है, कि वे अपने क्षेत्र में पटाखा फेक्ट्रीयों और विस्फोटक गोदामों का निरीक्षण कर, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करें। साथ ही पटाखा फेक्ट्री यों और गोदामों की वैधानिकता भी सुनिश्चित करें।

विधायक निधि का दुरूपयोग कर निजी जमीन पर बाउंड्रीवाल बनवाई

पूर्व विधायक पारस जैन एवं 7अधिकारियों पर लोकायुक्त प्रकरण दर्ज

उज्जैन, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। लोकायुक्त ने पूर्व विधायक पारसजैन एवं 7 अधिकारियों पर छल पूर्वक विधायक निधी के दुरूपयोग एवं निजी भूमि की बाउंड्रीवाल बनाने के मामले में प्रकरण दर्ज किया है। शहर के पिंग्लेश्वर मार्ग पर स्थित पिल्याखाल नाले पर सुरक्षा दीवाल के नाम पर तत्कालीनं विधायक की निजी जमीन की सुरक्षा के लिये इस बाउण्ड्री वॉल का निर्माण किया गया। शासन को लगभग 153.72 लाख रूपये का कार्य निजी हित में किया जाकर शासन को आर्थिक क्षति पहुंचायी जा चुकी हैं एवं शेष निर्माण कार्य हेतु 44.76 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति योजना एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा जारी की जा चुकी हैं।

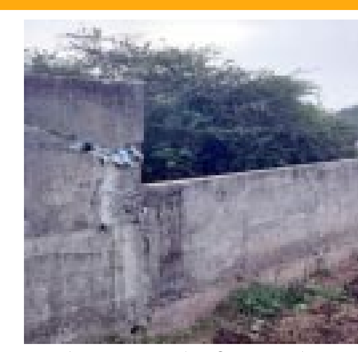

शिकायतकर्ता दिनेश चौहान निवासी, देवास ने लोकायुक्त भोपाल को शिकायत करते हुए बताया था कि पूर्व विधायक पारस जैन द्वारा लगभग 2 वर्ष पूर्व पांड्याखेड़ी गांव में स्थित सिलिंग की जमीन को पद का दुरूपयोग कर लगभग 15 बीघा जमीन अपनी पत्नि श्रीमती अंगूरबाला जैन के नाम से कॉटन मर्चेंट शैक्षणिक एवं पारमार्थिक न्यास के नाम से लगभग 80 लाख रूपये में क्रय की है। इसके साथ ही करीबन 2 बीघा नाले से लगी हुई शासकीय भूमि पर भी अवैध कब्जा कर लिया है। उक्त भूमि पर अनावेदक पारस जैन विधायक ने पद का दुरूपयोग कर शासकीय विधायक निधि से लगभग 81 लाख रूपये में नाले की तरफ से लेकर अपनी पूरी कृषि भूमि के चारो और बाउण्ड्री वाल बनवा ली है। इस प्रकार अनावेदक द्वारा शासकीय विधायक निधि की राशि लगभग 81 लाख रूपये अपने निजी कार्य में उपयोग शासन का आर्थिक क्षति पहुंचाई गई है। शिकायत का सत्यापन उज्जैन लोकायुक्त इकाई निरीक्षक बसंत श्रीवास्तव, निरीक्षक ने किया। शिकायत सत्यापन में सामने आया कि निजी कृषि भूमि पूर्व विधायक की पत्नी अंगुरबाला एवं उनके भाई विमल कुमार जैन की पत्नी संगीता जैन के नाम से शासकीय राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है, जो कि खसरा नंबर 9 में स्थित है, उक्त नाले की सुरक्षा दीवाल बनाया जाना पाया गया है एवं उक्त भूमि से लगी हुई निर्मित नाले मि खसरा नंबर 10 में होकर शासकीय भूमि है एवं उक्त नाले से लगी हुई कृषि भूमि खसरा नंबर नाले की सुरक्षा दीवार नाले के तटबंध की उंचाई से भी कहीं 10 फिट अधिक और कहीं पर 6 के लगभग अधिक बॉउण्ड्री वॉल / सुरक्षा दीवार का निर्माण किया गया है। इस प्रकार 153.72 लाख रूपये की आर्थिक क्षति शासन को पहुंचाना जाना प्रथम दृष्ट्या प्रमाणित पाया गया है एवं 44.76 लाख रूपये का कार्य किया जाना शेष है। इस प्रकार तत्कालीन विधायक श्री जैन निजी पारिवारिक भूमि के हितों को साधने में छल व षड्यन्त्रपूर्वक कार्य किया गया है। निर्माण एजेन्सी लोक निर्माण विभाग एवं संभागीय योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय उज्जैन के अधिकारीगणों की भूमिका भी परिलक्षित हुई है।

तत्कालीन विधायक श्री जैन द्वारा विधायक निधि वर्ष 2020-2021 से 89.18 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई थी, पुल की सुरक्षा दीवाल की कुल लंबाई 230 मीटर है, जिसमें से 0–75 मीटर सुरक्षा दीवाल का निर्माण हो चुका है, आगे शेष 80 मीटर दीवाल के निर्माण कार्य हेतु वर्ष 2021-2022 से 99.90 लाख रूपये स्वीकृत कर निर्माण एजेन्सी लोक निर्माण विभाग उज्जैन को बनाये जाने हेतु अनुशंसा कलेक्टर, जिला उज्जैन को की गई थी। प्रशासकीय स्वीकृति उपरांत जिला योजना अधिकारी, संभागीय योजना एवं सांख्यिकी उज्जैन संभाग उज्जैन द्वारा कलेक्टर के माध्यम से दिनांक 31.03.2022 को कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ / प) उज्जैन को निर्माण एजेन्सी बनाया था। तत्कालीन विधायक श्री पारसचन्द्र जैन द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना वर्ष 2023-2024 में प्राप्त आवंटन में से उज्जैन शहर के वार्ड क्रमांक 4 पिंग्लेश्वर मार्ग पर स्थित पिल्याखाल नाले पर पुल की सुरक्षा स्थाई पक्की दीवार चैनेज 174.20 से 204.70 मीटर कुल लम्बाई 30.50 मीटर का निर्माण कार्य लागत राशि 44.76 लाख रूपये स्वीकृत कर निर्माण एजेन्सी लोक निर्माण विभाग को बनाये जाने हेतु अनुशंसा कलेःटर, जिला उज्जैन को की गई थी। उक्त अनुशंसा अनुसार कार्यालय कलेःटर (योजना एवं सांख्यिकी) सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन, उज्जैन के आदेश द्वारा प्रशासकीय आदेश जारी कर लोक निर्माण विभाग को निर्माण एजेन्सी बनाया गया था, वर्तमान में निर्माण प्रारंभ नहीं हुआ है। इस प्रकार 153.72 लाख रूपये की आर्थिक क्षति शासन को पहुंचाने संबंधी प्रतिवेदन पर निरीक्षक बसंत श्रीवास्तव ने बताया कि मुख्यालय के आदेशानुसार प्रथम दृष्ट्या प्रमाणित पाये जाने पर पूर्व विधायक पारस चंद्र जैन, सहित लोक निर्माण विभाग के तत्कालीन अधीक्षण यंत्री राजेन्द्र कुमार जैन ,कार्यपालन यंत्री जी.पी. पटेल , कार्यपालन यंत्री गौतम अहिरवार एसडीओ सीमा सागर, एसडीओ संदीप बेनीवाल, उपयंत्री शरद त्रिपाठी, जिला सांख्यिकी अधिकारी, योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय उज्जैन डॉ. राजश्री सांकले के विरूद्ध धारा - 7, 13 (1) ए, 13 (2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन 2018) एवं 420, 120 बी भारतीय दण्ड विधान के अंतर्गत पंजीबद्ध किया गया है। विवेचना के दौरान इसमें और आरोपी बढने की संभावना है। शिकायतकर्ता की उल्लेखित 2 बीघा नाले से लगी हुई शासकीय जमीन पर कब्जे की जांच विवेचना में की जावेगी।

मंदसौर गोलीकांड की रिपोर्ट विधानसभा पटल पर रखी जाएगी या नहीं मामले में बहस पूरी, आदेश सुरक्षित

इंदौर, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। साढ़े छह वर्ष पहले हुए मंदसौर गोलीकांड की जांच रिपोर्ट विधानसभा पटल पर रखी जाएगी या नहीं, इस मुद्दे पर हाई कोर्ट में प्रस्तुत जनहित याचिका में बहस पूरी हो गई। कोर्ट ने सभी पक्षकारों को सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया। रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद ही स्पष्टहोगा कि जिस गोलीकांड में पांच किसानों की जान चली गई थी, वह किसकी लापरवाही से हुआ था।

प्रदर्शन कर रहे किसानों पर पुलिस ने चलाई थी गोली–किसान आंदोलन के दौरान मंदसौर में प्रदर्शन कर रहे किसानों पर 6 जून 2017 को पुलिस ने गोली चलाई थी। इसमें पांच किसानों की मृत्यु हो गई थी। मामले की जांच केलिए शासन ने हाईकोर्ट केसेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जेके जैन की अध्यक्षता में जैन आयोग गठित किया था।

पूर्व विधायक ने लगाई थी याचिका–आयोग ने 13 जून 2018 को अपनी जांच रिपोर्ट शासन को सौंप दी थी। इस रिपोर्ट को विधानसभा पटल पर रखने की मांग करते हुए पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। शासन का कहना है कि उसके लिए रिपोर्ट विधानसभा पटल पर रखना बंधनकारी नहीं है। इधर याचिकाकर्ता का कहना है कि शासन इसके लिए बाध्य है।

हज पर जाने वाले यात्रियों के लिये मेडिकल फिटनेस शिविर आज

मंदसौर, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। हज-2024 पर जाने वाले यात्रियों के लिये मेडिकल फिटनेस हेल्थ शिविर का आयोजन आज 7 फरवरी, बुधवार को प्रात: 11 बजे जिला चिकित्सालय परिसर मंदसौर में आयोजित किया जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुए जिला हज कमेटी मंदसौर के अध्यक्ष शाहिद निजामी ने बताया कि इस वर्ष 2024 में मंदसौर जिले से 133 यात्री हज यात्रा पर जा रहे है। इन हज यात्रियों को मेडिकल फिटनेस सर्टीफिकेट की आवश्यकता होगी। इसलिये इन सभी हज पर जाने वाले यात्रियों के लिये आज 7 फरवरी को जिला चिकित्सालय परिसर मन्दसौर में हज स्वास्थ्य परीक्षण मेडिकल फिटनेस हेल्थ शिविर आयोजित होगा।

ग्राम पंचायत धुंधड़का, जनपद पंचायत मंदसौर

क्रमांक 113 / 2024 दिनांक 05/02/2024

निलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत धुंधड़का जनपद पंचायत मंदसौर द्वारा निर्मित व ग्राम पंचायत स्वामित्व की दुकानों की निलामी (सिर्फ दुकानों का पट्टाधिकार) म.प्र. पंचायत राज अधिनियम 1994 की धारा 65 तथा उनके तहत बने मप्र (सीवर सम्पत्ति का अंतरण) नियम 1994 के तहत दिनांक 22/02/2024 को 10.30 बजे की जावेगी जिसके संबंध में जानकारी निम्नानुसार है ।

संपत्ति दुकानों का विवरण	साईज	वार्षिक भाड़ा	निर्धारित प्रिमियम
धुंधड़का में दलौदा-सीतामऊ रोड़ पर 1 से 26 तक निर्मित	40×12 वर्ग फीट	12000/-	1196000/- प्रति दुकान

आरक्षित व अनारक्षित दुकानों का विवरण निम्नानुसार है

क्रमांक	आरक्षण किस वर्ग हेतु किया गया है विवरण	दुकान का क्रमांक
1	अजा/अजजा वर्ग	1,2,3,4,5
2	अन्य पिछडा वर्ग हेतु	6,7,8,9
3	महिला (विधवा, परित्क्ता)	10,11,12
4	विकलांग	13
5	रक्षा सेवा निवृत	14
6	स्वतंत्रता संग्राम सेनानी	15
7	शिक्षित बेरोजगारों के लिए	16,17
8	अनारक्षित	18 से 26 तक

- निलामी शर्ते

1. निलामी में भाग लेने हेतु निलामी पूर्व निर्धारित आवेदन पर जो ग्राम पंचायत द्वारा उपलब्ध कराया जावेगा तथा आवेदन शुल्क रूपये 2000 जमा कराना होगा जो वापस नहीं होगा।
2. आरक्षित वर्ग को प्रमाण मोके पर प्रस्तुत करना होगा।
3. निलामी में बोली लगाने हेतु निलामी राशि का 25 प्रतिशत राशि जमा होने पर ही बोली मान्य की जावेगी तथा दुकानो का अधिपत्य निलाम बोली की समस्त राशि व वार्षिक भाडा सहित जमा होने पर तथा अनुबंध निष्पादन होने पर दिया जावेगा।
4. दुकानों का उपयोग स्व स किया जायेगा तथा अवैधानिक व्यवसाय जो द्वारा प्रतिबंधित है के उपयोग हेतु नहीं किया जायेगा। स्वरूप में किसी प्रकार परिवर्तन ग्राम पंचायत कि बिना मुन्ट की शासन
5. दुकान के अनुमति नहीं किया जावेगा।
6. दुकान मात्र व्यवसाय उपयोग हेतु है भूमि का स्वामित्व म.प्र. शासन का है एवं उपर छत का अधिकार ग्राम पंचायत का है।
7. वार्षिक भाडा (लिज रेट) प्रति पाँच वर्ष में पुनरीक्षित करने का अधिकार ग्राम पंचायत का होगा।
8. वार्षिक भाडा प्रतिवर्ष माह अप्रेल में वार्षिक अग्रिम जमा कराना होगा।
9. तय प्रिमियम राशि से अधिक बोली में अंतिम बोली स्वीकार की जावेगी। शेष राशि जमा न होने पर जमा राशि राजसात की जावेगी और किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी
10 अन्य किसी भी प्रकार की विवाद की स्थिति में ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम होगा।
11. अन्य कोई जानकारी सूचना हेतु अवकाश के दिनों को छोड़कर ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

सचिव
ग्राम पंचायत धुंधड़का
जनपद पंचायत,मंदसौर

सरपंच
ग्राम पंचायत धुंधड़का
जनपद पंचायत,मंदसौर

कुलपति अब कहलाएंगे कुलगुरु, मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 में संशोधन प्रस्ताव का अनुमोदन

प्रदेश में 15 प्रतिशत महंगी होंगी शराब की दुकानें, मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्री-परिषद के निर्णय

भोपाल, 6 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के धार्मिक और शैक्षणिक स्थलों से डेढ़ किलोमीटर दूर शराब दुकानें स्थापित की जाएगी। इसी के साथ शराब दुकानें इस बार 15 प्रतिशत महंगी होने जा रही है। मोहन कैबिनेट ने शराब दुकानों के वर्ष 2023-24 का वार्षिक मूल्य 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर आरक्षित मूल्य निर्धारण करने का निर्णय लिया है।

मंगलवार को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा प्रदेश की शराब दुकानों के टेंडर, भांग, भांगघोटा की फुटकर बिक्री की दुकानों के टेंडर सहित अन्य विषयों के संबंध में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रस्तावित आबकारी नीति का अनुमोदन किया गया। एक अन्य निर्णय में सरकार ने तय किया कि विधानसभा के बजट सत्र में एक लाख करोड़ रुपये का लेखानुदान प्रस्तुत करेगी। लेखानुदान के प्रारूप पर मंत्रिपरिषद में हुई चर्चा में तय किया गया कि अप्रैल से जुलाई तक विभिन्न योजनाओं के लिए वित्तीय प्रविधान किए जाएंगे। वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण बजट जुलाई-अगस्त में होने वाले मानूसन सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही वर्ष 2023-24 के लिए द्वितीय अनुपूरक अनुमान भी सरकार विधानसभा में रखेगी।

किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर फसल ऋण की सुविधा रहेगी जारी–कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर सहकारी बैंकों के माध्यम से वर्ष 2023-24 में अल्पावधि फसल ऋण दिए जाने की योजना निरंतर रहेगी। योजना अंतर्गत खरीफ 2023 सीजन की तय तिथि 28 मार्च 2024 तथा रबी 2023-24 सीजन की तिथि 15 जून, 2024 रखी गई है। राज्य शासन द्वारा योजना अंतर्गत फसल ऋण लेने वाले सभी किसानों को 1.5 प्रतिशत (सामान्य) ब्याज अनुदान तथा खरीफ एवं रबी सीजन की निर्धारित तिथि तक ऋण की अदायगी करने वाले किसानों को चार प्रतिशत प्रोत्साहन स्वरूप (अतिरिक्त ब्याज अनुदान) दिया जाएगा।

प्रत्येक जिले में चाइल्ड हेल्प लाइन यूनिट होगी–प्रदेश के प्रत्येक जिले में चाइल्ड हेल्प लाइन (सीएचएल) 1098 यूनिट स्थापित होगी। मंत्रिपरिषद द्वारा मिशन वात्सल्य के अंतर्गत चाइल्ड हेल्प लाइन के प्रविधानों के प्रत्येक जिला स्तर पर एक हेल्पलाइन यूनिट, आठ रेलवे स्टेशनों पर एक-एक यूनिट, सरवटे बस स्टैंड इंदौर पर एक हेल्पलाइन यूनिट की स्थापना का निर्णय लिया गया है। पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से समस्त स्टाफ संविदा आधार पर जिला बाल संरक्षण इकाई में आठ व्यक्तियों का स्टाफ रेल्वे स्टेशन एवं बस स्टैंड के लिए छह व्यक्तियों का स्टाफ रखा जाएगा।

जनजातीय क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधा विस्तार की योजना होगी क्रियान्वित–मुख्यमंत्री यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुई। मुख्यमंत्री ने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री 11 फरवरी को झाबुआ पधार रहे हैं। प्रदेश सरकार ने जनजातीय क्षेत्रों में विकास और जन कल्याण के जो कार्य किए हैं, उन्हें आजादी के अमृत काल में वृहत्तर स्वरूप में आरंभ करने का संकल्प लेने के लिए वहां भव्य आयोजन होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लेखानुदान भी आने वाला है, जिसके माध्यम से हम भविष्य का रोड मैप तय करेंगे। प्रधानमंत्री द्वारा विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों में आयुर्वेदिक-होम्योपैथी-नेचुरोपैथी चिकित्सा सुविधा के विस्तार के संबंध में जो दिशा निर्देश दिए गए हैं, उनके अनुरूप आयुष विभाग के माध्यम से योजना क्रियान्वित की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in